वर्ष-14 - अंक 110
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
बुधवार ,29 जुलाई 2026

RNIÐNoÐ UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhatÐco

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बच्चों को हर शुक्रवार मिलेगा सूजी का हलवा..... 3

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट 4

हजारों कोटेदारों का विशाल प्रदर्शन, विधानसभा घेराव रोक पुलिस ने भीड़..... 08

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मिलेगी 2,500 रुपये की पहली किस्त

दिल्ली लक्ष्मी योजना को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि योजना के लिए ऑनलाइन पोर्टल 1 अगस्त 2026 से शुरू किया जाएगा। इसके बाद पात्र महिलाएं घर बैठे आवेदन कर सकेंगी। आवेदन और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रक्षाबंधन के अवसर पर लाभार्थियों को योजना की पहली किस्त के रूप में 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने राजधानी की महिलाओं से किया गया एक और वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि हर महीने मिलने वाली 2,500 रुपये की सहायता राशि किसी महिला के लिए दवाइयों का सहारा बन सकती है, किसी बेटी की पढ़ाई में मदद कर सकती है या किसी परिवार के रोजमर्रा के खर्च में राहत पहुंचा सकती है। सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद महिलाओं को नियमित सहायता देकर उन्हें मजबूत बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि दिल्ली लक्ष्मी योजना को मंत्रिमंडल की बैठक में औपचारिक मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रत्येक माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने के लिए अधिक आत्मविश्वास प्रदान करना है। योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के अनुसार, योजना का ऑनलाइन पोर्टल 1 अगस्त से शुरू होगा। पात्र महिलाएं पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा पात्रता की जांच और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। सरकार ने योजना में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया है, जिससे लाभार्थियों का चयन व्यवस्थित तरीके से किया जा सके। रेखा गुप्ता ने बताया कि आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार रक्षाबंधन तक लाभार्थियों के पहले समूह को पहली किस्त जारी करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना दिल्ली की महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी और इससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार योजनाएं लागू कर रही है। दिल्ली लक्ष्मी योजना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि योजना का लाभ मिलने से महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और वे अपने परिवार तथा समाज में अधिक मजबूती के साथ भूमिका निभा सकेंगी। दिल्ली सरकार के अनुसार, योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र महिलाओं तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया गया, युवाओं की आवाज दबा रही सरकार: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में एंटी-पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर दिया है और युवाओं एवं छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने लोकसभा में कहा कि शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के नाम पर उसे कमजोर किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शिक्षा तंत्र में अपने विचारों से जुड़े लोगों को शामिल कर व्यवस्था को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के गठन के बाद परीक्षा प्रणाली का केंद्रीकरण हुआ, जिससे समस्याएं और बढ़ीं। उन्होंने कहा कि देश के कुल बजट में शिक्षा क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ने के बजाय लगातार कम हो रही है। सरकार को शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस सांसद ने छात्र आंदोलनों के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर आंसू गैस, लाठीचार्ज और अन्य बल प्रयोग की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने सवाल किया कि छात्रों पर कार्रवाई का आदेश किसने दिया और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह केवल कांग्रेस का सवाल नहीं है, बल्कि देश के युवाओं और उनके परिवारों का सवाल है। प्रियंका गांधी ने बताया कि वह हाल ही में दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंची थीं, जहां पुलिस कार्रवाई में घायल एक छात्रा का इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा कि छात्रा की मां बेहद परेशान थीं और उन्होंने नेताओं के दौरे को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात जीवन का गौरवपूर्ण क्षण: अर्चना गुप्ता

नई दिल्ली(एजेंसी)। हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने हरियाणा के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार पुराल (धान के अवशेष एवं प्राकृतिक रेशों) से निर्मित कमल का पुष्प प्रधानमंत्री को भेंट किया। करीब आधे घंटे तक चली इस आत्मीय मुलाकात में संगठन को मजबूत बनाने, सामाजिक सरोकारों, महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत के संकल्प सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करना उनके जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं और उनके नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने तथा सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से प्रदेश संगठन को नई ऊर्जा मिली है। उनके द्वारा दिए गए प्रत्येक सुझाव को आत्मसात करते हुए भाजपा हरियाणा को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसेवा के कार्यों को और गति देने का संकल्प लिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएं राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे ऐतिहासिक निर्णय महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिला आत्मनिर्भरता को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। प्रधानमंत्री को भेंट किया गया कमल पुष्प हरियाणा के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किया गया था। यह हस्तनिर्मित कलाकृति ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्वदेशी शिल्प और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि यह उपहार केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि वोकल फॉर लोकल, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी दर्शाता है। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे ऐसे उत्पाद ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने के साथ-साथ हरियाणा की पारंपरिक कला को राष्ट्रीय पहचान दिला रहे हैं। डॉ. अर्चना गुप्ता ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता पर विश्वास जताकर प्रदेश अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना उनके लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत है। उन्होंने कहा कि वह इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगी।

संक्षिप्त ख़बरें

जापान में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढही

टोक्यो। दक्षिणी जापान में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई। भूकंप के तेज झटकों से कुमामोटो प्रांत और आसपास के इलाकों में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई, आग लगने की घटनाएं सामने आईं और रेल सेवाएं प्रभावित हो गईं। एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढहने से 50 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र कुमामोटो शहर से लगभग 20 किलोमीटर दक्षिण में और जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के तेज झटके पूरे क्यूशू द्वीप सहित आसपास के कई क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुमामोटो प्रांत के काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा। भूकंप के दौरान मॉल की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे वहां मौजूद कई लोग मलबे में फंस गए।

जौहर यूनिवर्सिटी ध्वस्तीकरण मामला: अब तीन अगस्त को होगी सुनवाई

रामपुर। रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर अब तीन अगस्त को मंडलायुक्त एवं रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अध्यक्ष की अदालत में सुनवाई होगी। इससे पहले न्यायालय ने अगली सुनवाई तक विश्वविद्यालय परिसर के खिलाफ किसी भी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा रखी है। गौरतलब है कि रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने 15 जुलाई को आदेश जारी करते हुए जौहर यूनिवर्सिटी परिसर में निर्मित 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के बनाया गया बताते हुए उनके ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए थे। प्रशासन का कहना है कि संबंधित भवन विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना निर्मित किए गए हैं, इसलिए नियमानुसार कार्रवाई की गई। प्रशासन के इस आदेश को जौहर यूनिवर्सिटी प्रबंधन और उसके ट्रस्ट की ओर से मंडलायुक्त एवं आरडीए अध्यक्ष आंजनेय कुमार सिंह की अदालत में चुनौती दी गई है। याचिका में ध्वस्तीकरण आदेश को निरस्त करने और विश्वविद्यालय के पक्ष को विस्तार से सुने जाने की मांग की गई है।

अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्तूबर में सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच से जुड़ी अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्तूबर के पहले सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह जानकारी दी। सरकार ने बताया कि हादसे से जुड़े सभी आवश्यक सिमुलेशन परीक्षण पूरे हो चुके हैं और जांच अंतिम चरण में है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अंतिम मसौदा रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को यह भी बताया कि याचिकाकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझावों के अनुरूप चार सिमुलेशन परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के पास कोई तकनीकी जानकारी या सुझाव है तो वह एएआईबी को उपलब्ध कराया जा सकता है। जांच एजेंसी आवश्यकता पड़ने पर उसका परीक्षण कर उचित कार्रवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट एक गैर-सरकारी संगठन, एक विधि छात्र तथा हादसे में जान गंवाने वाले पायलट के पिता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। इन याचिकाओं में दुर्घटना की स्वतंत्र और न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 13 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान एएआईबी की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि 12 जून, 2025 को हुए विमान हादसे से संबंधित कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा व वीडियो रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। एजेंसी ने कहा कि विमान दुर्घटना जांच से जुड़े नियमों के तहत इस तरह की सामग्री को किसी बाहरी समिति या आम जनता के साथ साझा करने पर पूर्ण वैधानिक प्रतिबंध है। ऐसा करना विमान (दुर्घटनाओं एवं घटनाओं की जांच) नियम, 2025 का उल्लंघन माना जाएगा। गौरतलब है कि एअर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट एआई-171 अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुई थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान का संचालन कैप्टन सुमीत सभरवाल और सह-पायलट कैप्टन क्लाइव कुंदर कर रहे थे। इस भीषण हादसे में कई लोगों की जान गई थी, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। अब इस बहुचर्चित मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सुनवाई और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

भारतीय तटरक्षक बल में लैंगिक समानता की नई पहल: महिलाओं को मिलेगा पुरुषों के बराबर अवसर

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों से जुड़ी नई नीति लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत महिला अधिकारियों को अब शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (एसएसए) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (पीए) दोनों में पुरुषों के समान अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले तटरक्षक कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह राशि और अन्य सेवा लाभ जल्द उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया भी सरल बना दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि नई नीति का उद्देश्य भारतीय तटरक्षक बल में 'लिंग-तटस्थ भर्ती व्यवस्था' लागू करना है, जिससे महिला और पुरुष उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान इन दोनों महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नई नीति के अनुसार, अब महिला उम्मीदवारों को शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (एसएसए) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (पीए) दोनों में पुरुष उम्मीदवारों के समान अवसर दिए जाएंगे। वहीं, शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट की व्यवस्था अब पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी उपलब्ध रहेगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया अधिक संतुलित और समान अवसर आधारित बन सकेगी।

कांवड़ यात्रा: 60 हजार कांस्टेबल, 5,500 दरोगा तैनात

लखनऊ(एजेंसी)। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 60 हजार से अधिक कांस्टेबल और करीब 5,500 उपनिरीक्षक (दरोगा) तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) भी पूरी यात्रा के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर विशेष निगरानी रखेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) भानु भास्कर ने बताया कि इस बार कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों को होने वाली असुविधा को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी उद्देश्य से विस्तृत यातायात एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि यात्रा में ड्यूटी पर तैनात किए जा रहे सभी पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल, खुफिया तंत्र तथा एटीएस की निगरानी भी रहेगी। अधिकारियों को लगातार क्षेत्र भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम धामी ने दिए सख्त निर्देश, हेली सेवाओं को भी रखा जाए अलर्ट मोड पर

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अधिकांश जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रबंधन तंत्र की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी आपदा या आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में मौजूद रहकर हालात की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन से प्रदेशभर की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बंद पड़े सड़क मार्गों, नदियों के जलस्तर, जलभराव वाले क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों और जिला प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए कि राज्य में संचालित हेली सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखा जाए। यदि किसी दुर्गम या आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत सामग्री पहुंचाने अथवा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की आवश्यकता पड़े तो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में समय पर प्रतिक्रिया देना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में भारी बारिश, भूस्खलन या सड़क बाधित होने की आशंका हो, वहां यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका जाए। मौसम और मार्ग की स्थिति सामान्य होने के बाद ही उन्हें आगे यात्रा की अनुमति दी जाए। साथ ही यात्रियों को समय-समय पर मौसम और मार्ग की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।

छह इनामी समेत 16 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रांची(एजेंसी)। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मंगलवार को प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन से जुड़े 16 नक्सलियों ने रांची में झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। आत्मसमर्पण करने वालों में छह इनामी नक्सली शामिल हैं, जिन पर कुल 39 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस समूह में पांच महिला नक्सली भी शामिल हैं। पुलिस ने इसे राज्य में नक्सल उन्मूलन अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में संगठन का एक रीजनल कमेटी सदस्य, एक जोनल कमेटी सदस्य, दो सब-जोनल कमेटी सदस्य और दो एरिया कमेटी सदस्य शामिल हैं। लंबे समय से सक्रिय इन नक्सलियों के आत्मसमर्पण से संगठन की गतिविधियों और नेटवर्क को बड़ा झटका लगने की उम्मीद जताई जा रही है। आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे प्रमुख नाम संतोष महतो उर्फ बसुदेव दा उर्फ दिलीप का है। वह प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का रीजनल कमेटी सदस्य था और उसके सिर पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, संतोष महतो 128 आपराधिक मामलों में वांछित था और कई बड़ी नक्सली घटनाओं में उसकी भूमिका सामने आई थी। पुलिस ने बताया कि वह एक मार्च को मनोहरपुर, छोटानगर और झारियाकेला थाना क्षेत्रों की सीमा से लगे जंगल में हुए आईईडी विस्फोट का भी आरोपी है। इस विस्फोट में कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया था। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थीं। आत्मसमर्पण करने वालों में जोनल कमेटी सदस्य चंदन लोहरा भी शामिल है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 78 आपराधिक मामले दर्ज हैं और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चंदन लोहरा लंबे समय से संगठन की गतिविधियों का प्रमुख संचालक रहा है। उसके मुख्यधारा में लौटने से नक्सली संगठन की सक्रियता पर प्रभाव पड़ेगा। आत्मसमर्पण के दौरान नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष बड़ी मात्रा में आधुनिक हथियार और गोला-बारूद भी जमा कराया। बरामद हथियारों में दो एके-47 राइफल, छह इंसास राइफल, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल कई नक्सली वारदातों में किया गया हो सकता है, जिसकी जांच की जाएगी। झारखंड पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों से पूछताछ की जा रही है ताकि संगठन की गतिविधियों, हथियारों के नेटवर्क और सक्रिय सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके। पूछताछ के बाद उन्हें राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आवश्यक सहायता, प्रशिक्षण और पुनर्वास की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर हमला, पंजाब के पेपर लीक मामलों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को पंजाब में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में पंजाब में छह बड़े पेपर लीक हुए, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने चुप्पी साध रखी है। मालीवाल ने दावा किया कि पंजाब में विभिन्न भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान कई बार प्रश्नपत्र लीक होने और नकल की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में 19 जुलाई को आयोजित फार्मेसी परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर नकल हुई, जिससे परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक केवल परीक्षा व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास और भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। उनके अनुसार, यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर लोगों का भरोसा कमजोर होगा। स्वाति मालीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि सीजेपी, आम आदमी पार्टी की 'बी टीम' के रूप में काम कर रही है। मालीवाल ने आरोप लगाया कि इस संगठन का गठन आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों ने किया और इसके लिए आर्थिक सहयोग भी वहीं से मिला।

संक्षिप्त खबरें

नर्स कोर्स में एडमिशन का झांसा देकर छेड़छाड़ करने का प्रयास केस दर्ज

सहजनवा/गीडा थाना क्षेत्र के बरहुआ निवासी एक युवती जो अपने मामा के घर एकला में रहती है। शाम को वह अकेले खेत में गई हुई थी। उसी दौरान उसी गांव का एक युवक अकेला देखकर पास आ गया। और बोला कि कितनी पढ़ी हो तो पीड़िता ने बताया कि नर्स के कोर्स में एडमिशन लेना चाहती हूं। इस दौरान आरोपी ने कहा कि मेरी कमाई डेढ़ लाख महीना है। और एडमिशन कम में करा देंगे । इस दौरान वह अनर्गल बात करते हुए छेड़छाड़ करने की कोशिश करते हुए दौड़ा लिया। भाग कर पीड़िता सड़क पर पहुंची जहां एक महिला मिली उसी के पास खड़ी हो गई। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। महिला ने पीड़िता के मामा को फोन कर घटना स्थल पर बुलाया। और साथ लेकर घर चले गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सर्वजीत यादव पुत्र साधु के खिलाफ मर्यादा भंग करने के इरादे से हमला करने का केस दर्ज कर लिया है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आजीवन सदस्य कॉमरेड शंभू शरण तिवारी नहीं रहे

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के थाना उरुवा अंतर्गत ग्राम परसा निवासी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आजीवन सदस्य एवं वरिष्ठ कॉमरेड 85 वर्षीय शम्भू शरण तिवारी का निधन सोमवार को उनके पैतृक निवास पर हो गया। कामरेड तिवारी काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर क्षेत्र में बिजली की तरह दौड़ पड़ी। उनका दाह संस्कार मंगलवार को गोला उपनगर के मुक्तिधाम पर विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ उनके बड़े पुत्र जयराम तिवारी ने मुखाग्नि दिया।उनके अंत्येष्टि में गांव, क्षेत्र के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे। भा क पा से जुड़े सभी कामरेड साथी अंत्येष्टि स्थल पर उपस्थित होकर अपने दिवंगत कामरेड साथी के दिवंगत आत्मा के शांति के लिए शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि देते समय पार्टी का झंडा दिवंगत कामरेड के सम्मान में झुका रहा। इस शोक सभा में प्रमुख रूप से कामरेड सुरेश राय रामसेवक शुक्ला उदयप्रताप सिंह वीरेंद्र यादव राम बृक्ष यादव जयप्रकाश राय जगदीश पांडेय आशीष सिंह रामसावर यादव सहित अन्य कामरेड उपस्थित रहे।

एनकार्ड की बैठक सम्पन्न, प्रवर्तन अभियान जारी रखने के निर्देश

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनकार्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नशीली दवाओं, अवैध शराब निर्माण की रोकथाम के लिए अब तक हुई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में त्रिस्तरीय कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिसमें प्रथम स्तर पर जागरूकता एवं सतर्कता हेतु आबकारी विभाग, पुलिस विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं महिला शासक्तिकरण विभाग द्वारा आपसी समन्वय से तहसील/ब्लाक / ग्राम पंचायत स्तर पर विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बैनर लगवाकर नुक्कड़ नाटक या अन्य कार्यक्रम आयोजित कर नशे से होने वाली हानियों और कानूनी प्राविधानों आदि के सम्बन्ध में जागरूकता एवं सतर्कता का प्रचार-प्रसार किया जाए। द्वितीय स्तर में आबकारी पुलिस तथा ड्रग इन्सपेक्टर के समन्वय से प्रभावी प्रवर्तन कार्य किया जाये। तृतीय स्तर में जिला चिकित्सालय में तथा समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न केन्द्रों में काउन्सिलिंग तथा पुनर्वास की व्यवस्था की जाए उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं को जागरूक किया जाए, ताकि समाज में नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध कच्ची शराब के निर्माण करने वालों पर लगातार प्रवर्तन की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अरविन्द कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वैभव हत्याकांडः प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी सर्वेश भट्ट का पैतृक मकान सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी के चर्चित वैभव हत्याकांड में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सर्वेश भट्ट के पैतृक आवास को सील कर दिया। मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोपी के घर पहुंचकर सीलिंग की कार्रवाई पूरी की। इस दौरान पूरे क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। खजनी तहसीलदार ध्रुवेष कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक देव नारायण मिश्रा, लेखपाल राजीव रंजन तथा गीडा थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय सहित अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

प्रशासन ने आरोपी सर्वेश भट्ट के पैतृक आवास को विधिवत सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामले में आगे भी कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। गौरतलब है कि 12 वर्षीय वैभव की हत्या से पूरे खजनी क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद हजारों की संख्या में लोग खजनी थाने पहुंच गए थे और आरोपी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग करते हुए उसके मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग भी उठी थी। जनाक्रोश को देखते हुए प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। मंगलवार को आरोपी के घर को सील किए जाने की कार्रवाई को प्रशासन की सख्त कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का

कहना है कि इस जघन्य घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है और वे दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। वहीं पुलिस का कहना है कि वैभव हत्याकांड की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और उपलब्ध सभी साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पूरे मामले पर जिला प्रशासन और पुलिस की लगातार नजर बनी हुई है।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवन ध्वस्त करने का आदेश

सुल्तानपुर में सपा अल्पसंख्यक सभा का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा मांग पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर में समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश का मंगलवार को विरोध किया। कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए इस संबंध में सभा ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष मोईन अहमद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने यह ज्ञापन सौंपा। इसमें ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने से हजारों छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों का भविष्य प्रभावित होगा। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक द्वेष भावना से यह कार्रवाई कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि विश्वविद्यालय निर्माण के समय यह क्षेत्र ग्राम सीगनखेड़ा ग्राम पंचायत में था। उस समय उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1947 या किसी अन्य कानून के तहत निर्माण की अनुमति लेना आवश्यक नहीं था।

ज्ञापन में बताया गया कि निर्माण के समय ग्राम सीगनखेड़ा आरबी एक्ट 1958 के तहत रेग्युलेटेड एरिया में शामिल नहीं था। रामपुर डेवलपमेंट एरिया में इस ग्राम को पहली बार 27 सितंबर 2024 को शामिल किया गया, जबकि विश्वविद्यालय का निर्माण इससे काफी पहले पूरा हो चुका था। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से जनहित और छात्रहित में जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को तोड़ने के आदेश को तुरंत रद्द करने और उचित वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपते समय जिलाध्यक्ष मोईन अहमद के साथ अली अहमद (जिला महासचिव/पूर्व प्रधान), ओसामा खान, धर्मेन्द्र यादव (राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी), सोनू निषाद, अबु तालिब खान, अमानुल्लाह, रिजवान खान, जुलफ़िकार ख़ान (जिला उपाध्यक्ष), शकील अहमद, मुजीबुर रहमान, अज़ीमुद्दीन और समीउल्ला अहमद सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे।

महराजगंज में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, गांव में शोक की लहर

महराजगंज/ रायबरेली। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के इंदौरा गांव में मंगलवार को लगभग शाम 03 बजे एक 35 वर्षीय युवक का शव उसके घर के छप्पर में रस्सी के सहारे लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उत्सव गोविंद पुत्र स्वर्गीय सीताराम (35) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था घर के परिजन उस समय खेत पर काम करने गए थे। इसी दौरान युवक ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतक दिव्यांग था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटे बच्चे–एक पुत्र और एक पुत्री–हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या या मर्डर के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी और ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग युवक ने दी जान, वीडियो में लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा में 28 वर्षीय युवक ने कथित पारिवारिक विवाद और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले युवक ने करीब चार मिनट का वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए पत्नी और उसके रिश्तेदारों को जिम्मेदार ठहराया। मामले में पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर पत्नी सहित पांच लोगों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मगरवारा निवासी पवन राठौर अपने माता-पिता, पत्नी और चार वर्षीय बेटी के साथ रहता था। बताया गया कि उसकी शादी पांच वर्ष पूर्व कानपुर देहात निवासी रागिनी से हुई थी। पिछले कुछ महीनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था और पत्नी अपनी बेटी के साथ मायके चली गई थी। परिजनों का कहना है कि इसी के बाद से पवन मानसिक तनाव में रहने लगा था।

रविवार दोपहर जब परिजन घर के बाहर बैठे थे, तभी पवन छत पर बने कमरे में चला गया। उसने मोबाइल फोन को रिकॉर्डिंग मोड पर रखकर वीडियो बनाया और इसके बाद टिनशेड में नायलॉन की रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक कोई हलचल न होने पर पिता कमरे में पहुंचे तो बेटे को फंदे से लटका पाया। पास में रखा मोबाइल अभी भी रिकॉर्डिंग कर रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों का आरोप है कि मृतक की पत्नी का अपने फुफेरे भाई से संबंध था, जिसके चलते आए दिन विवाद होता था। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि पत्नी, सास, साले, साली और फुफेरे साले द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना दिए जाने से उनका बेटा यह कदम उठाने को मजबूर हुआ। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में

मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के चाचा ने भी दावा किया कि पारिवारिक विवाद के दौरान बहू अक्सर पवन को अपमानित करती थी। वहीं, वायरल वीडियो और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी पुलिस ने जांच के दायरे में लिया है। मगरवारा चौकी प्रभारी रविशंकर पांडेय ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वायरल वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों तथा परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों की शिकायत पर हरकत में आया प्रशासन

तहसीलदार ने विद्यालय पहुंच कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। राजा चंद्रचूड़ सिंह विद्यापीठ इंटर कॉलेज की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को दर्जनों छात्र-छात्राओं का सब्र टूट गया। विद्यार्थियों ने तहसील पहुंचकर तहसीलदार मंजुला मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं की शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार बिना देर किए स्वयं विद्यालय पहुंचीं और व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार और खेल मैदान में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई। साथ ही विद्यार्थियों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। तहसीलदार ने विद्यालय में मौजूद शिक्षकों से व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी मांगी, लेकिन कई महत्वपूर्ण सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका।

छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे नियमित रूप से शिक्षण शुल्क लिया जाता है, लेकिन उसकी रसीद उपलब्ध नहीं कराई जाती। इस शिकायत को तहसीलदार ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अभिलेखों और प्रक्रिया की जांच के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में भौतिक विज्ञान और गणित के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। इस पर तहसीलदार ने नाराजगी जताई और संबंधित जिम्मेदारों से स्पष्टीकरण मांगते हुए आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों का कहना है कि जलभराव, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी और विषय शिक्षकों के अभाव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी समाधान नहीं हुआ। प्रशासन द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच किए जाने से छात्रों में शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जगी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि छात्रों की शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो इन अव्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार कौन है और उन पर क्या कार्रवाई होगी?

ग्राम प्रधानों के मानदेय व कल्याणकारी सुविधाएं बहाल रखने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

लखनऊ। ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी एवं भदोही जनपद के महजूदा गांव के प्रशासक तथा संगठन के राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर प्रशासक के रूप में कार्यरत निवर्तमान ग्राम प्रधानों के मानदेय, ग्राम प्रधान कल्याण कोष एवं अन्य वैधानिक सुविधाओं के संबंध में आवश्यक निर्णय लेने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायतों के नए गठन तक निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त कर ग्रामीण प्रशासन की निरंतरता बनाए रखने का निर्णय सराहनीय है, लेकिन विभिन्न जनपदों से प्रशासक के रूप में कार्यरत ग्राम प्रधानों के मानदेय, ग्राम प्रधान कल्याण कोष तथा अन्य वैधानिक सुविधाओं को लेकर असमंजस की स्थिति सामने आ रही है। इससे पंचायत प्रतिनिधियों और उनके परिवारों में चिंता व्याप्त है। पत्र में मांग की गई है कि प्रशासक के रूप में कार्यरत निवर्तमान ग्राम प्रधानों के मानदेय को लेकर स्पष्ट शासनादेश जारी किया जाए, ग्राम प्रधान कल्याण कोष एवं अन्य कल्याणकारी सुविधाएं पूर्व की भांति जारी रखी जाएं तथा यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक या विधिक बाधा हो तो उसका शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और वैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी और राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री पंचायत प्रतिनिधियों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर लाखों प्रशासक ग्राम प्रधानों को राहत प्रदान करेंगे।

दबंगों ने जमीनी विवाद में पति पत्नी को पीटा, तीन के विरुद्ध मुकदमा हुआ दर्ज

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम चाँद पार में दबंगों ने दरवाजा लगाने के विवाद मे पति पत्नी को बुरी तरह पीट कर घायल कर दिया। पीड़िता के लिखित तहरीर पर गोला पुलिस तीन के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार ग्राम चाँद पार की सुनैना पत्नी रघुनाथ गुप्ता ने अपने तहरीर में बताया है कि मेरे घर का दरवाजा लग रहा था। दरवाजा लगाने के विवाद को लेकर मेरे पड़ोसी स्वामी नाथ विश्वकर्मा पुत्र शिवदान,रघुनाथ पुत्र रुदल, भास्कर पुत्र केदार तीन लोगों ने दरवाजा हटाने के लिए गाली गुप्ता देने लगे। विरोध करने पर यह लोग हमें लात मुक्कों से मारेपीटे। मेरा बाल पकड़ कर दिवाल में लड़ा दिये। मेरे सर में चोट आ गई है। मुझे चक्कर आने लगा। उल्टी भी हुई। शोर सुनकर बचाव के लिए घर के अंदर से मेरे पति आ रहे थे कि उनको देखते ही यह लोग उनके ऊपर टूट पड़े। उनको भी लात मुक्का से पीटा। आस पास के लोग दौड़े तो वह लोग जान माल की धमकी देते भाग चले। इस मामले में गोला पुलिस ने बी एन एस की धारा 115 (2) 352, 351 (3) में मुकदमा पंजी कृत कर अगली कार्रवाई शुरू कर दिया है।

खजनी में 12 वर्षीय वैभव वर्मा की हत्या से सनसनी

संदिग्ध के तहखाने से मिला शव; आक्रोशित लोगों ने बुलडोजर कार्रवाई की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी कस्बे में मंगलवार को उस समय मातम और आक्रोश का माहौल फैल गया, जब सोमवार से लापता 12 वर्षीय वैभव वर्मा का शव संदिग्ध के मकान के तहखाने से बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना मिलते ही पूरे कस्बे में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में व्यापारी, स्थानीय लोग और परिजन सड़क पर उतर आए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारी पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया। पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, खजनी कस्बे के प्रतिष्ठित व्यापारी लक्ष्मी वर्मा के नाती तथा हनुमान वर्मा के पुत्र वैभव वर्मा सोमवार दोपहर करीब दो बजे रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, क्षेत्राधिकारी खजनी और प्रभारी निरीक्षक सहित कई टीमें पूरी रात बच्चे की खोज में जुटी रहीं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस ने संदिग्ध के मकान में गहन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान मकान के तहखाने से वैभव का शव बरामद होने पर परिजनों

की चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा। शव को देखकर मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो गए और पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने तथा उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क जाम और चक्का जाम कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। व्यापारियों ने भी घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए दोषियों को शीघ्र और कठोर सजा देने की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा घटना से जुड़े हर पहलू की गंभीरता से जांच की जाएगी। फिलहाल खजनी कस्बे में गम और गुस्से का माहौल है। मासूम वैभव की दर्दनाक मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है, जबकि पूरे क्षेत्र के लोग दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

उन्नाव कचहरी में अधिवक्ताओं को मिली नई सौगात, चैंबर संख्या 7 व 8 का हुआ लोकार्पण

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह ने फीता काटकर किया शुभारंभ, गरीब व असहायों को निःशुल्क कानूनी सहायता देने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। कचहरी परिसर मंगलवार को उस समय उत्साह और उल्लास से भर उठा, जब राजा राव राम बख्श सिंह अधिवक्ता भवन में चैंबर संख्या 7 व 8 का विधिवत उद्घाटन जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख अरुण सिंह ने फीता काटकर किया। एडवोकेट कुलदीप यादव, एडवोकेट प्रदीप यादव एवं एडवोकेट अभिषेक यादव के नव निर्मित चैंबर के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सभी ने इस पहल का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अरुण सिंह ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी है। अधिवक्ता भवन और आधुनिक चैंबर न केवल न्यायिक कार्यों को सुगम बनाएंगे, बल्कि अधिवक्ताओं के बीच संवाद, समन्वय और पेशेवर गतिविधियों को भी नई दिशा देंगे। उन्होंने बार के विकास एवं अधिवक्ता हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता कुलदीप यादव ने कहा कि नए चैंबर के माध्यम से गरीब, मजलूम एवं असहाय लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा पात्र जरूरतमंदों के मुकदमों की निःशुल्क पैरवी की जाएगी।

समारोह में बार अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा, पूर्व बार अध्यक्ष सतीश शुक्ला, महामंत्री अनुज कुमार बाजपेयी, वरिष्ठ अधिवक्ता बलवंत बाबू, वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश यादव, प्रदीप यादव, अभिषेक यादव, राम सजीवन यादव, दिनेश अवस्थी, धीरेश

गोस्वामी, चिरंजीव सिंह, रुचि यादव, सोनालिका गुप्ता, विनय यादव उपकार, आशीष, योगेंद्र सिंह, अजय परिहार, समाजसेवी वीरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए नवस्थापित चैंबर को अधिवक्ताओं की सुविधाओं और न्यायिक कार्यों के बेहतर संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

5 वर्षों से बंद पड़ा विद्युत शवदाह गृह, डीएम ने दिखाई सख्ती

रिपोर्ट तलब, मरम्मत कर शीघ्र संचालन के दिए निर्देश; रखरखाव के अभाव में लाखों की मशीनें हुईं जर्जर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। शहर की मिश्रा कॉलोनी स्थित विद्युत शवदाह गृह पिछले करीब पांच वर्षों से बंद पड़ा है। रखरखाव के अभाव में लाखों रुपये की मशीनें खराब हो चुकी हैं, जिसके चलते लोगों को पर्यावरण अनुकूल विद्युत दाह संस्कार के बजाय लकड़ी से अंतिम संस्कार कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने नगर पालिका प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट तलब कर शीघ्र मरम्मत कर संचालन शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 1994 में स्थापित विद्युत शवदाह गृह वर्ष 2021 में कोरोना महामारी के दौरान अंतिम बार संचालित हुआ था। इसके बाद मशीनों के एलीमेंट एवं अन्य तकनीकी उपकरण खराब होने के कारण इसका संचालन बंद हो गया। समय पर रखरखाव और मरम्मत न होने से उपकरण लगातार जर्जर होते चले गए।

बताया जाता है कि इससे पहले भी शवदाह गृह कई बार तकनीकी खराबी का शिकार हुआ था। तत्कालीन अधिशासी अधिकारियों के कार्यकाल में इसकी मरम्मत कराकर संचालन बहाल किया गया था। वर्ष

2021 से पहले लगभग तीन वर्षों तक यह नियमित रूप से संचालित रहा, जिसमें 200 से अधिक शवों का विद्युत प्रणाली से अंतिम संस्कार किया गया था। कोरोना काल में भी करीब 25 शवों का अंतिम संस्कार इसी व्यवस्था से किया गया। विद्युत शवदाह गृह बंद होने से आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी यह स्थिति चिंताजनक मानी जा रही है, क्योंकि विद्युत शवदाह प्रणाली लकड़ी आधारित अंतिम संस्कार की तुलना में अधिक पर्यावरण अनुकूल विकल्प मानी जाती है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को पूरे प्रकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अधिशासी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि पुराने अभिलेखों और तकनीकी फाइलों का परीक्षण कराया जा रहा है। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद मरम्मत कार्य के लिए टेंडर जारी कर विद्युत शवदाह गृह को जल्द पुनः संचालित कराया जाएगा।

आजमगढ़ में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं मे तीन युवकों की मौत

आजमगढ़। अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन युवकों की मौत हो गई। जहानागंज थाना क्षेत्र के धनहुआ गांव के समीप मंगलवार की सुबह दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हलचल मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक सवार शिवशंकर द्विवेदी पुत्र विजय रतन दुबे निवासी बिशुनपुर, चिरैयाकोट मऊ और दूसरे बाइक सवार विजय कुमार पुत्र छबील, निवासी पुराना आरटीओ आफिस, भदुली, थाना सिधारी (आजमगढ़) धनहुआ के पास आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दूसरी घटना रानी की सराय थाना क्षेत्र में हुई। थाना क्षेत्र के सहीदवारा बाजार में मंगलवार की सुबह कार की चपेट मे आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। टेकमलपुर गांव निवासी छब्बीस वर्षीय किशन कुमार की गांव के पास ही दुकान है। सुबह नौ बजे बाइक से आजमगढ जा रहे था कि सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। घटना के बाद कार सवार वाहन समेत भाग निकला। मौके पर ही बाइक सवार ने दम तोड दिया।

जमीन धंसने से निकली रहस्यमयी सुरंग, प्राचीन अवशेष मिलने से बढ़ी उत्सुकता

एएसआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शुरू किया वैज्ञानिक सर्वेक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली) विकासखंड क्षेत्र के ओई गांव में जमीन धंसने से एक रहस्यमयी सुरंग सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में कौतूहल का माहौल है। सुरंग के भीतर से प्राचीन मिट्टी की सुराही, हैंडल वाली धूपदानी तथा अन्य पुराने अवशेष मिलने की सूचना के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को जांच के लिए मौके पर भेजा है। मंगलवार सुबह लगभग 8 बजे से संयुक्त टीम स्थल का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर रही है। प्रारंभिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सुरंग किस कालखंड की है, इसका निर्माण किस उद्देश्य से किया गया था तथा यहां मिले अवशेषों का ऐतिहासिक महत्व क्या है। यह घटना ओई गांव निवासी गुरुदेई पत्नी स्वर्गीय रामदेव के खेत की है। बताया

जा रहा है कि हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण खेत की मिट्टी अचानक धंस गई। सतह पर लगभग एक मीटर का छोटा गड्ढा दिखाई देता है, लेकिन भीतर कई मीटर गहरी और लगभग 10 मीटर चौड़ी गुफानुमा सुरंग होने की बात सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि सुरंग के अंदर पुरानी ईंटों से बनी संरचना दिखाई दे रही है। साथ ही वहां प्राचीन मिट्टी के बर्तन और अन्य ऐतिहासिक अवशेष भी मिले हैं। उल्लेखनीय है कि ओई गांव पहले से ही अपने प्राचीन ऐतिहासिक टीले के लिए जाना जाता है, जिससे इस खोज को और अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश पर उपजिलाधिकारी महराजगंज चंद्र प्रकाश गौतम की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एएसआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर आधिकारिक रूप से कुछ कहा जा सकेगा। सुरंग की जानकारी फैलते ही प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। कुछ लोग गड्ढे के भीतर उतरने का प्रयास भी कर रहे थे, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई। इसे देखते हुए प्रशासन ने पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग कर दी है तथा सुरक्षा के मद्देनजर 24 घंटे पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा घेरा पार न करें और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

खाद्य प्रसंस्करण में बढ़ा निवेश
युवा-महिला उद्यमियों का बढ़ा रुझान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में निवेश की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। प्रदेश सरकार की उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत 15.08 करोड़ रुपये के आठ नए निवेश प्रस्तावों को अप्रेजल समिति ने राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति दी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बढ़ता निवेश प्रदेश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने, कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार और निवेशकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं और निवेश प्रस्तावों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा अब पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना में रुचि दिखा रहे हैं। इसके साथ ही महिला उद्यमी भी इस क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी कर रही हैं, जो प्रदेश में उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक संकेत है। उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को गोमतीनगर स्थित रेशम निदेशालय में अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आठ नए निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। तकनीकी और वित्तीय परीक्षण के बाद सभी प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। इन परियोजनाओं में नमकीन, ब्रेड एवं रस्क, सोया आधारित उत्पाद, पास्ता, पोल्ट्री फीड तथा अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना एवं विस्तार से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। इसके अलावा ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर पावर प्लांट की स्थापना से संबंधित परियोजनाओं पर भी विचार किया गया। अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने निवेशकों से कहा कि वे स्थानीय किसानों से अधिक से अधिक कच्चे माल की खरीद सुनिश्चित करें, जिससे कृषि और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय स्थापित हो सके। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, अग्नि सुरक्षा और अन्य वैधानिक स्वीकृतियों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं में भी नीति के अनुरूप सभी तकनीकी और दस्तावेजी मानकों को पूरा किया जाना आवश्यक है। संबंधित निवेशकों को बैंक अप्रेजल, आयकर और जीएसटी रिटर्न सहित सभी आवश्यक दस्तावेज निर्धारित समय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश सरकार का मानना है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण राज्यों में शामिल करना है, जहां कृषि उत्पादों का अधिकतम मूल्य संवर्धन हो सके।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा का
जन्मदिवस वाल्मीकि समाज ने धूमधाम से मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 27 जुलाई 2026 भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा का जन्मदिवस रविवार को वाल्मीकि समाज द्वारा भव्य रूप से मनाया गया। यह कार्यक्रम परिवर्तन चौक, लखनऊ स्थित रामायण रचयिता महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आयोजित किया गया, जहां समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अभिजात मिश्रा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अभिजात मिश्रा के सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह में वाल्मीकि समाज के लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया तथा समाज के प्रति उनके योगदान की प्रशंसा की। इस अवसर पर अमन वाल्मीकि, राहुल वाल्मीकि, संतोष वाल्मीकि, अशोक वाल्मीकि, शिवराज कुमार, राजन वाल्मीकि, आलोक वाल्मीकि, शनि वाल्मीकि, सिद्धार्थ, अनूप बाजपेई, पवन वाल्मीकि, रश्मि वाल्मीकि, सुजीता वाल्मीकि, अनीता सहित वाल्मीकि समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने अभिजात मिश्रा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बकाया मजदूरी मांगने पर दिव्यांग मजदूर की पिटाई, जान से मारने की धमकी

.....पहले मजदूरी मांगने पर मारपीट, अगले दिन रास्ता रोककर दोबारा हमला; मुयमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत, पुलिस जांच में जुटी ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र में बकाया मजदूरी मांगना एक दिव्यांग मजदूर को भारी पड़ गया। आरोप है कि ठेकेदारी का काम कराने वाले तीन लोगों ने पहले मजदूरी मांगने पर उसके साथ मारपीट की और अगले ही दिन रास्ता रोककर दोबारा हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने और दूसरा पैर भी तोड़कर पूरी तरह दिव्यांग बना देने की धमकी दी। मामले में पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। लालता खेड़ा निवासी ललित उर्फ बाबू पुत्र अयोध्या प्रसाद ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। वह गांव के ही विनोद कुमार, संतोष कुमार और रंजीत के साथ ठेकेदारी में मकान निर्माण कार्य कर रहा था। उसकी कुछ मजदूरी लंबे समय से बकाया थी। पीड़ित के अनुसार, सोमवार शाम करीब छह बजे उसने संतोष कुमार से अपनी बकाया मजदूरी मांगी। इस पर तीनों आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी। किसी तरह जान बचाकर वह वहां से निकला और निगोहां थाने में शिकायत दी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ललित का आरोप है कि मंगलवार को खेत जाते समय तीनों आरोपियों ने उसका रास्ता रोक लिया, धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। पीड़ित का कहना है कि वह पहले से ही एक पैर से दिव्यांग है, इसके बावजूद आरोपियों ने उसकी दिव्यांगता का मजाक उड़ाते हुए धमकी दी कि दूसरा पैर भी तोड़ देंगे और पूरी तरह विकलांग बना देंगे। घटना से सहमे पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की मांग की है। उसका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उसके साथ कोई भी गंभीर घटना हो सकती है।

क्या बोले थाना प्रभारी

निगोहां थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कनौजिया ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को हर शुक्रवार मिलेगा सूजी का हलवा
पीएम पोषण योजना में कई बड़े फैसले, रसोइयों की आयु सीमा 62 वर्ष करने समेत प्रस्ताव मंजूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री पोषण योजना (मध्यान्ह भोजन) को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण की 31वीं प्रबंधकारिणी बैठक आयोजित हुई, जिसमें कार्मिकों के मानदेय, विद्यार्थियों के पोषण स्तर और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण के अंतर्गत कार्यरत सिस्टम एनालिस्ट, मंडल एवं जनपद समन्वयक तथा कंप्यूटर ऑपरेटरों के मानदेय में 10 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2016 के बाद पहली बार इन कार्मिकों के मानदेय में वृद्धि की गई है। बैठक में संविदा कर्मियों के हित में भी बड़ा निर्णय लिया गया। सिस्टम एनालिस्ट, समन्वयक, कंप्यूटर ऑपरेटर सहित अन्य संविदा कार्मिकों के कार्य करने की अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित करने का फैसला किया गया। इसके साथ ही विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों की अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 62 वर्ष करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। यह भी तय किया गया कि रसोइये संबंधित शैक्षिक सत्र की समाप्ति तक कार्य करते रहेंगे और अगले सत्र के प्रारंभ से पहले नए रसोइयों का चयन किया जाएगा। विद्यार्थियों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बैठक में पीएम पोषण योजना से जुड़े सभी विद्यालयों के बच्चों को सप्ताह में एक दिन अतिरिक्त पोषण आहार देने का निर्णय लिया गया। इसके तहत अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार को विद्यार्थियों को सूजी का हलवा उपलब्ध कराया जाएगा। कुल 14 विद्यालय दिवसों में दिए जाने वाले इस पूरक पोषण आहार में सात दिन मीठा और सात दिन नमकीन हलवा परोसा जाएगा। हलवा तैयार करने के लिए रसोइयों को प्रति छात्र प्रति कार्य दिवस दो रुपये अतिरिक्त पारिश्रमिक भी दिया जाएगा। बैठक में मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण कार्यालय में सृजित सहायक निदेशक के चार पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इन पदों पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार, अन्य राज्यों तथा सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। रिक्तियों की स्थिति में समाचार पत्रों और वेबसाइटों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि राज्य सरकार पीएम पोषण योजना के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि योजना के सफल संचालन में योगदान देने वाले कर्मचारियों के हितों का भी ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक में लिए गए निर्णय योजना की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, कर्मचारियों को प्रोत्साहन देने और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

जोन-4 में नगर निगम की कार्रवाई, प्लास्टिक और गंदगी फैलाने पर 13,300 का जुर्माना

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार को जोनल अधिकारी जोन-4 श्रीमती शिल्पा कुमारी जी व जोनल सेनेटरी ऑफिसर पंकज शुक्ला जी के नेतृत्व में क्षेत्र में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग एवं सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। अभियान के दौरान एसएफआई डॉ. राकेश वर्मा द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग के मामले में 2,000 तथा गंदगी फैलाने पर 2,300 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। वहीं एसएफआई बाल गोविन्द सिंगरौर द्वारा गंदगी फैलाने के मामले में 4,500 का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा एसएफआई रश्मि शुक्ला द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर 1,000 तथा गंदगी फैलाने पर 3,500 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। इस विशेष अभियान में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर कुल 3,000 तथा गंदगी फैलाने पर 10,300 का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार कुल 13,300 का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

शिव मंदिर मंगरिया बाजार में विशाल भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब

बिसवां (सीतापुर)। शिव मंदिर मंगरिया बाजार (धनुष वाला मंदिर) में मंगलवार को मंदिर के जीर्णोद्धार के तृतीय वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र सहित दूर-दराज से पहुंचे भारी संख्या में शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन, रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया। पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे दिन मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर समिति एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से भंडारे की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक वैश्य, नंदकिशोर रस्तोगी, कमल वैश्य, प्रखर वैश्य, अमित वंदन रस्तोगी, अनुराग रस्तोगी, शिवकुमार कठेरिया, अरुण नाथ सिंह, विजय अवस्थी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ऐशबाग जलकल से जुड़े क्षेत्रों में आज प्रभावित रहेगी पेयजल आपूर्ति

लखनऊ। नगर निगम जलकल विभाग ने शहरवासियों को सूचित किया है कि बुधवार 29 जुलाई 2026 को ऐशबाग स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र में आवश्यक कार्य कराया जाएगा। इसके चलते सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति पूर्ण अथवा आंशिक रूप से बाधित रह सकती है। जलकल विभाग के अनुसार, विद्युत विभाग द्वारा उपकेंद्र ऐशबाग यार्ड में पोल एवं एंटी-काइट नेट लगाने का कार्य किया जाएगा। बिजली आपूर्ति प्रभावित होने के कारण ऐशबाग जलकल केंद्र से संचालित कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित होने की संभावना है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे बुधवार सुबह ही अपनी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में पेयजल का भंडारण कर लें, ताकि आपूर्ति बाधित रहने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ग्रामीण सफाईकर्मियों की मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन, राज्यसभा सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल से मिला प्रतिनिधिमंडल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उ.प्र. पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने संघ की लंबित मांगों के निराकरण को लेकर राज्यसभा सदस्य एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल से शिष्टाचार भेंट कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। संघ के पदाधिकारियों ने ग्रामीण सफाईकर्मियों की समस्याओं एवं लंबे समय से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए विभागीय सेवा नियमावली बनाए जाने तथा ग्रामीण सफाईकर्मियों को पदोन्नति के अवसर प्रदान किए जाने की मांग रखी। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने मांग पत्र पर संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई कराने का पूर्ण आश्वासन दिया। संघ ने सदस्य द्वारा दिए गए आश्वासन पर उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि ग्रामीण सफाईकर्मियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। इस अवसर पर संघ के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष कुलदीप कुमार, प्रदेश अध्यक्ष बसंतलाल, महामंत्री मयंक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकिशन, लखनऊ मंडल अध्यक्ष पवन कुमार वाल्मीकि तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवराज कुमार उपस्थित रहे। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण सफाईकर्मी लंबे समय से अपने अधिकारों एवं सेवा संबंधी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं और सरकार से उनकी मांगों के शीघ्र समाधान की अपेक्षा रखते हैं।

दहेज की मांग बनी मौत की वजह!
शादी के चार माह बाद नवविवाहिता ने लगाई फांसी, पति-ससुर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। दहेज की मांग ने एक और नवविवाहिता की जिंदगी लील ली। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के हुलासखेड़ा गांव में शादी के महज चार महीने बाद एक विवाहिता ने कथित दहेज उत्पीड़न से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि नामजद सास की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार बिजनौर थाना क्षेत्र के परवर पश्चिम निवासी मनोज ने तहरीर देकर बताया कि उनकी पुत्री सीमा का विवाह 7 मार्च 2026 को हुलासखेड़ा निवासी अमित कुमार के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही पति अमित, ससुर रामचंद्र और सास ने कम दहेज मिलने का ताना देते हुए सीमा पर मायके से ?2 लाख लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना की जाती थी। परिजनों के मुताबिक करीब 15 दिन पहले सीमा रोते-बिलखते मायके पहुंची थी और उसने ससुराल में हो रही प्रताड़ना की पूरी जानकारी दी थी। परिजनों ने उसे समझाकर वापस भेज दिया, लेकिन ससुराल में हालात नहीं बदले। 25 जुलाई को सीमा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही मायके पक्ष मौके पर पहुंचा और दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस को दहेज को लेकर लगातार हो रहे विवाद और प्रताड़ना के साक्ष्य मिले। पुलिस का कहना है कि दहेज उत्पीड़न से मानसिक रूप से परेशान होकर सीमा ने आत्मघाती कदम उठाया। मंगलवार को पुलिस टीम ने मेड़ईखेड़ा मोड़ के पास से आरोपी पति अमित कुमार और ससुर रामचंद्र को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं, नामजद सास की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। मोहनलालगंज के सहायक पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह ने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामलों में पुलिस पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई कर रही है। दहेज उत्पीड़न के इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

लखनऊ नगर निगम का अतिक्रमण पर शिकंजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, अवैध अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए नगर निगम ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान गंदगी फैलाने वालों, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों और सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीमों ने जोन-2 और जोन-5 क्षेत्रों में अभियान चलाकर नालियों की सफाई, कूड़ा उठान, सड़क सफाई और एंटी लार्वा छिड़काव कराया। साथ ही अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ चालान काटकर शमन शुल्क भी वसूला गया। जोन-2 क्षेत्र में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव, जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव और संबंधित अधिकारियों की देखरेख में भदैवा ऐशबाग, कुंडरी रकाबगंज, सुभाष मार्ग, यहियागंज, बड़ा इमामबाड़ा, महाकालेश्वर मंदिर, राजेंद्र नगर, रकाबगंज चौराहा और शास्त्री नगर चौराहे के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियों की सफाई, सड़क सफाई, कूड़ा उठान और एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया गया। नगर निगम के 296 प्रवर्तन दल ने बुलाकी अड्डे से पत्थर कट्टा मस्जिद और मोहन रोड तक अभियान चलाकर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ दो चालान कर 8 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला। वहीं प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर तीन चालान करते हुए 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस तरह जोन-2 में कुल 18 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। जोन-5 क्षेत्र में अवध चौराहे से हरदोई रोड स्थित कनौसी पुल तक और आलमबाग चौराहे से तालकटोरा रोड होते हुए लंगड़ा फाटक तक सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम ने 10 ठेले, 3 गुमटियां और 5 काउंटर हटाए। इसके अलावा तीन ठेलों को जब्त भी किया गया। अतिक्रमणकारियों को दोबारा सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा न करने की चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग के मामले में 3 हजार रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था, यातायात सुगमता और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें। जोन-5 में हुई कार्रवाई जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में कर अधीक्षक, जोनल सेनेटरी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, प्रवर्तन दल और पुलिस बल की मौजूदगी में संपन्न हुई।

महमूदाबाद स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की बहाली की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। महमूदाबाद रेलवे स्टेशन पर पूर्व में संचालित ट्रेनों के ठहराव को पुनः प्रारंभ कराने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार जैन, नगरपालिका सभासद अयूब अहमद डंम्पी एवं नगर के नागरिकों ने स्टेशन अधीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे महमूदाबाद के माध्यम से महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि कोविड-19 लॉकडाउन से पहले महमूदाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 54323/54324 बालामऊ-बुढ़वल पैसेंजर तथा 15211/15212 दरभंगा-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस का ठहराव होता था, जिसे बाद में बंद कर दिया गया। इससे क्षेत्र के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि महमूदाबाद स्थित माँ संकटा देवी मंदिर जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां सावन, नवरात्रि एवं अन्य पर्वों पर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ट्रेनों का ठहराव बंद होने से यात्रियों को सीतापुर उतरकर लगभग 60 किलोमीटर अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ती है। इसके अलावा महमूदाबाद में कई डिग्री कॉलेज एवं इंटर कॉलेज संचालित हैं। लखनऊ, सीतापुर, बुढ़वल और बालामऊ आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को प्रतिदिन आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं तहसील मुख्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होने के कारण मरीजों, व्यापारियों और आम यात्रियों का समय एवं धन भी अतिरिक्त रूप से खर्च हो रहा है।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और ?व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है ? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते ? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो। जब किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक बेबाकी से अपने हित से जुड़े सवाल पूछ सकें और सत्ता के समक्ष निर्भीक होकर सच बोलने के लिये आजाद हों तो इससे सही अर्थों में लोकतंत्र की मूल भावनी पुष्ट ही होती है। देश के नीति-नियंताओं को भी न्यायमूर्ति के उद्गारों पर चिंतन-मनन करने की जरूरत है।

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यति का तनाव पूरे परिवार की शति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है। डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है।

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है ।माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है। डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है। भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए। भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं। समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरुआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

-नीरज कुमार दुबे

धरती की चेतावनी को सुनिए, प्रकृति का धैर्य अब जवाब दे रहा है

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वत: ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुन: शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुन: शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष ? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि किस प्रकार पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है। हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विड़म्बना है कि लगातार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें बारम्बार चेतावनी देती रही है कि हम यदि इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

- योगेश कुमार गोयल

मेष-आज आपके लिए भाग्य का साथ मिलने के प्रबल संकेत हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है और आर्थिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

वृषभ-आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक संतुलित दिखाई देगी। यदि पिछले दिनों किसी परेशानी का सामना करना पड़ा था तो उसमें राहत मिलने के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मिथुन-आज आपके जीवन में नए अवसर दस्तक दे सकते हैं। विवाह योग्य लोगों के लिए शुभ समाचार मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच आपको आगे बढ़ा सकती है।

कर्क-आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी रखने की आवश्यकता होगी, हालांकि पहले की तुलना में स्थिति बेहतर रहेगी। कार्यस्थल पर आपके विरोधी भी सहयोगात्मक रवैया अपना सकते हैं। परिवार के बुजुर्गों का मार्गदर्शन आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

सिंह-आज भावनात्मक रूप से स्वयं को संतुलित रखने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन प्रतिस्पर्धा भी बनी रहेगी।

कन्या-आज घरेलू वातावरण में छोटी-मोटी असहमति की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, हालांकि थकान या सीने में भारीपन महसूस हो सकता है। व्यापार और नौकरी दोनों क्षेत्रों में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।

तुला-आज आपके भीतर कार्य करने की ऊर्जा भरपूर रहेगी। व्यावसायिक जीवन में नए संपर्क बनने से भविष्य के लिए लाभदायक अवसर प्राप्त हो सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक-आज आय के स्रोत बने रहेंगे, लेकिन बड़े निवेश या जोखिम वाले निर्णयों से फिलहाल दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। प्रेम संबंधों में विश्वास मजबूत होगा और परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु-आज आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं। नौकरी और व्यापार दोनों क्षेत्रों में सफलता मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा और किसी प्रियजन से शुभ समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

मकर-आज मानसिक तनाव और अनावश्यक चिंताओं से बचने की आवश्यकता है। काम का दबाव अधिक महसूस हो सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखने से परिस्थितियां आपके पक्ष में होती जाएंगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा और कार्यों में नई ऊर्जा मिलेगी।

कुंभ-आज आपकी आय में वृद्धि के संकेत हैं। नौकरी और व्यापार दोनों क्षेत्रों में लाभदायक अवसर मिल सकते हैं। किसी यात्रा की योजना बन सकती है जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगी। मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा। यदि लंबे समय से किसी शुभ समाचार की प्रतीक्षा कर रहे थे तो आज वह मिलने की संभावना है।

मीन-आज कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। न्यायिक या प्रशासनिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति भी पहले से अधिक मजबूत होती दिखाई दे रही है।

दुर्घटना में एयरबैग न खुलने पर दंडात्मक मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कार दुर्घटना के समय एयरबैग नहीं खुलना दंडात्मक मुआवजे का कारण होगा,अर्थात कार निर्माता कंपनी को इसके लिए उपभोक्ता को मुआवजा देना होगा। एक नामी कार निर्माता कंपनी के एक मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उपभोक्ता कार खरीदते समय यह मान लेता है कि दुर्घटना होने की सूरत में कार के एयरबैग अपने आप खुल जाएंगे। कोर्ट का कहना है कि उपभोक्ता स्पीड और फोर्स के सिद्धांतों के आधार पर दुर्घटना के प्रभाव की गणना करने के लिए नहीं है। अदालत ने ये टिप्पणी कार निर्माता द्वारा दायर एक अपील को खारिज करते हुए की है।राष्ट्रीय आयोग ने भी दिल्ली उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें कार के एयरबैग न खुलने के कारण एक्सीडेंट के समय सिर, छाती और दांतों में चोट लगने वाले उपभोक्ता को मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने कार कंपनी की अपील को खारिज करते हुए राज्य उपभोक्ता आयोग के आदेश को बरकरार रखा था। जिसके खिलाफ कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की थी। कंपनी का कहना है कि वाहन में सामने से टक्कर के एक विशेष कोण 30 डिग्री से कम, बल और घर्षण होने के बाद ही वाहन के एयरबैग खुलते हैं लेकिन कोर्ट ने कहा कि यह बात सर्विस मैन्युअल में नहीं लिखी गई थी कि एक विशेष प्रकार की टक्कर के बाद ही एयरबैग्स खुलेंगे।दावे के मुताबिक माइलेज न देने के एक अन्य मामले में राजीव शर्मा ने सन 2004 में एक प्रमुख कार निर्माता कंपनी की एक कार खरीदी थी। कम्पनी द्वारा विज्ञापन में दावा किया गया था कि यह कार 1 लीटर में 16 से 18 किलोमीटर तक का माइलेज देती है। कार खरीदने के बाद राजीव को पता चला कि गाड़ी का वास्तविक माइलेज लगभग 10.2 किलोमीटर प्रति लीटर है। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया कि वह उपभोक्ता को 1 लाख रुपए का मुआवजा भुगतान करे। राजीव शर्मा ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में कंपनी के खिलाफ शिकायत करते हुए कार के लिए भुगतान की गई पूरी रकम यानी करीब 4 लाख रुपए का रिफंड मांगा था।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त साविर (34) पुत्र शरीफ निवासी आजाद नगर थाना कोंच है। वह 401 आईपीसी से संबंधित मामले में वांछित था। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिवनारायण वर्मा एवं कांस्टेबल धर्मराज शामिल रहे।

कारगिल के अमर शहीदों को किया नमन, विद्यार्थियों ने देशभक्ति का लिया संकल्प

तिलहर शाहजहांपुर। नगर के सरकारी अस्पताल रोड स्थित एलबीजेपी इंटर कॉलेज में मंगलवार को कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और राष्ट्र गौरव के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और विद्यार्थियों ने राष्ट्र की सेवा, एकता तथा अखंडता की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य भारत भूषण के नेतृत्व में शहीद सैनिकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में शिक्षकों ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता और बलिदान की गाथा विद्यार्थियों के समक्ष रखी। वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश की आन-बान और शान की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया, ताकि वे भविष्य में देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के अंत में कारगिल युद्ध में शहीद हुए रणबांकुरों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर आशीष कुशवाह, डॉ. अनिल कुमार, इंद्रदेव, मुनेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, शाहिद अली सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कानपुर में इंटरसेप्टर के द्वारा हो रहे हैं ओवर स्पीड वाहनों के चालान, 289 वाहनों के चालान

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 28.07.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 43 ट्रक, 09 बस, 129 चार पहिया /दो पहिया 181 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 52 चार पहिया /दो पहिया 52 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 56 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें। सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें। शराब पीकर वाहन न चलायें नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

रामापुर तिराहे पर अवैध अस्पताल संचालन का आरोप, जांच की मांग तेज

लखीमपुर खीरी। रामापुर तिराहे पर संचालित अष्ट विनायक हॉस्पिटल को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल बिना वैध पंजीकरण और आवश्यक मानकों के संचालित हो रहा है तथा यहां मरीजों का इलाज किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि अस्पताल के संचालन को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कुछ लोगों ने यह आरोप भी लगाया है कि अस्पताल को स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि, संबंधित अधिकारियों की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ग्रामीणों का कहना है कि एंबुलेंस चालकों और बिचौलियों के माध्यम से मरीजों को अस्पताल लाया जाता है तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों और आवश्यक चिकित्सा मानकों की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

महिला का शव मिलने के दो दिन बाद पति का शव भी मिला, क्षेत्र में सनसनी

दो दिन पूर्व नयापुरवा गांव में एक महिला का शव उसके घर के पास संदिग्ध अवस्था में मिला था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। थाना शारदानगर क्षेत्र के ग्राम नयापुरवा में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के दो दिन बाद उसके पति का शव भी मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व नयापुरवा गांव में एक महिला का शव उसके घर के पास संदिग्ध अवस्था में मिला था। सूचना पर पहुंची थाना शारदा नगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। उस समय पुलिस ने कहा था कि मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इसी बीच मंगलवार सुबह महिला के पति का शव घर में उसी जगह लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखे जाने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।

थाना प्रभारी शारदा नगर ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। महिला की मृत्यु के कारणों तथा पुरुष की मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपुष्ट सूचनाएं और अफवाहें प्रसारित न करें तथा जांच में सहयोग करें। पुलिस का कहना है कि दोनों घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और तथ्य सामने आने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से रेलवे क्रासिंग का फाटक क्षतिग्रस्त, यातायात रहा प्रभावित

कोंच(जालौन)- रेलवे फाटक पर मंगलवार सुबह फाटक बंद किए जाने के दौरान एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे रेलवे फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फाटक क्षतिग्रस्त होने के कारण रेलवे क्रॉसिंग से बड़े वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई। ट्रक और अन्य भारी वाहनों को नदीगांव रोड से सब्जी मंडी गेट होकर वैकल्पिक मार्ग से निकालना पड़ा। इस दौरान रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और जाम जैसी स्थिति बनी रही। हादसे के चलते रेलवे का ऑटोमेटिक फाटक संचालन सिस्टम भी प्रभावित हो गया। इसके बाद कर्मचारियों ने हैंडवर्क के माध्यम से फाटक का संचालन किया, ताकि ट्रेनों का आवागमन सुरक्षित ढंग से जारी रखा जा सके। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत कार्य शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद फाटक को दुरुस्त किया जा सका जिसके बाद ही यातायात सामान्य हो सका।

हाईवे पर चला अभियान

सड़क किनारे खड़े 261 वाहनों पर एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 261 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

प्रशासन श्रद्धालुओं को बनारस दर्शन के लिए निशुल्क भेजेगा

गुरु पूर्णिमा पर विशेष व्यवस्था, घर से कलेक्ट्रेट तक परिवहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिला प्रशासन बनारस दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं को निशुल्क सुविधा प्रदान कर रहा है। इस पहल के तहत, श्रद्धालुओं को उनके घर से बनारस तक पहुंचाया जाएगा और दर्शन के उपरांत वापस उनके घर छोड़ा जाएगा। इसी क्रम में, ब्लॉक भदपुरा के पेहना गांव से आठ लोगों की सूची प्राप्त होने के बाद प्रशासन तुरंत गांव पहुंचा। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, एसडीएम नवाबगंज सचिन यादव और प्रभारी निरीक्षक क्यों लड़िया वेद सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी गांव पहुंचे और लोगों से संपर्क किया। पेहना गांव में स्थित विश्व बली आश्रम में भी गुरु पूर्णिमा पर एक बड़े आयोजन की तैयारी है। बनारस जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह निशुल्क सेवा उनके घर से शुरू होकर बरेली कलेक्ट्रेट तक उपलब्ध होगी। कलेक्ट्रेट परिसर से विशेष बसों द्वारा उन्हें बनारस ले जाया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि जो भी श्रद्धालु बनारस जाने के इच्छुक होंगे, उन्हें प्रशासन द्वारा पूरी तरह निशुल्क यात्रा कराई जाएगी। दर्शन के बाद उन्हें सुरक्षित उनके घरों तक वापस पहुंचाया जाएगा।

श्रावण मास के दृष्टिगत आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण

कानपुर। आगामी श्रावण मास के दृष्टिगत जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव एवं अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल डॉ. अर्चना सिंह द्वारा थाना ग्वालटोली क्षेत्रान्तर्गत स्थित आनन्देश्वर मन्दिर, परमट का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान मन्दिर परिसर, दर्शन मार्ग, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही मन्दिर के संचालकों एवं मुख्य पुजारी से वार्ता कर श्रावण मास में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम एवं सुरक्षित दर्शन तथा भीड़ प्रबंधन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुचारु वातावरण उपलब्ध कराया जा सके तथा कानून-व्यवस्था पूर्णतः बनाए रखी जा सके।

गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग

मांग को लेकर हिन्दू रक्षा दल सहित, हिन्दू संगठनों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित किए जाने की मांग को लेकर हिन्दू रक्षा दल सहित विभिन्न हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सोमवार को कानपुर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां हिन्दू रक्षा दल के नेतृत्व में भारत सरकार के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान हिन्दू रक्षा दल और अन्य हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गौ माता के समर्थन में जोरदार नारे लगाए तथा सरकार से गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग की। ज्ञापन में हिन्दू रक्षा दल एवं अन्य हिन्दू संगठनों ने कहा कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और धार्मिक आस्था में गौ माता का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए देशभर के करोड़ों सनातनियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए भारत सरकार को गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। साथ ही गौ संरक्षण के लिए प्रभावी एवं कठोर कदम उठाए जाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर हिन्दू रक्षा दल के कानपुर नगर जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यदि भारत सरकार आवश्यकता पड़ने पर कम समय में बड़े-बड़े निर्णय ले सकती है, तो करोड़ों सनातनियों और हिन्दू संगठनों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दू रक्षा दल देशभर में गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। हिन्दू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने आगे कहा कि देश के विभिन्न राज्यों और जनपदों से समय-समय पर गौवंश के अवशेष मिलने की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिससे हिन्दू समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त होता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि गौ हत्या पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने के लिए कठोर कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान हिन्दू रक्षा दल सहित विभिन्न हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्वक अपनी मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं और आशा व्यक्त की कि जिलाधिकारी के माध्यम से उनकी मांग भारत सरकार तक पहुंचाई जाएगी तथा गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित किए जाने के विषय में उचित निर्णय लिया जाएगा। हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि गौ माता के सम्मान और संरक्षण के लिए उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जनजागरण और आंदोलन किए जाएंगे।

डीएम के निरीक्षण में अधिशासी अभियंता ही गैर हाजिर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सुबह 11 बजे निचली गंगा नहर, कानपुर प्रखंड कार्यालय के आकस्मिक निरीक्षण में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को अधिशासी अभियंता समेत चारों सहायक अभियंता, दो लिपिक एवं एक सींचपाल कार्यालय से अनुपस्थित मिले। मानसून के दौरान नहरों और तटबंधों की निगरानी जैसे संवेदनशील समय में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के एक साथ अनुपस्थित मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने चार सहायक अभियंताओं, तीन लिपिक एवं एक सींचपाल के विरुद्ध एक दिन के वेतन संबंधी कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि अधिशासी अभियंता से तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया है। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता के अधीन कार्यरत चारों सहायक अभियंता सार्थक, प्रशांत वर्मा, राम प्रकाश एवं विनोद कुमार कार्यालय में उपस्थित नहीं मिले। उनकी अनुपस्थिति के संबंध में कोई पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश का अभिलेख उपलब्ध नहीं था। वहीं, उपस्थिति पंजिका के परीक्षण में सींचपाल संजय कुमार गुप्ता के साथ लिपिक वीरेंद्र कुमार माथुर, एन.के. पटेल व ज्योति खाना भी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने चारों सहायक अभियंताओं, लिपिक वीरेंद्र कुमार माथुर, लिपिक एन.के. पटेल, ज्योति खन्ना एवं सींचपाल संजय कुमार गुप्ता को 28 जुलाई के लिए अनुपस्थित मानते हुए नियमानुसार एक दिन के वेतन संबंधी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पृथक-पृथक स्पष्टीकरण प्राप्त कर तीन दिन के भीतर तथ्यपरक संस्तुति सहित आख्या उपलब्ध कराने को कहा। अधिशासी अभियंता से भी तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। उनसे पूछा गया है कि वर्षा ऋतु जैसी संवेदनशील परिस्थितियों में वह स्वयं तथा सभी सहायक अभियंता बिना पूर्व अनुमति कार्यालय से अनुपस्थित क्यों पाए गए तथा क्षेत्रीय स्तर पर नहरों एवं तटबंधों की निगरानी किस प्रकार सुनिश्चित की जा रही थी।

सीएचसी के कक्ष में सर्प निकलने से मची अफरा तफरी

कोंच(जालौन)- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया, जब कमरा नंबर एक स्थित इंजेक्शन कक्ष में अचानक एक सर्प निकल आया। घटना सोमवार की रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। उस समय ड्यूटी पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इंजेक्शन कक्ष में सर्प दिखाई देते ही स्वास्थ्य कर्मियों ने इसकी सूचना स्वास्थ्य केंद्र प्रशासन को दी जिसके बाद सर्प को बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए। सर्प निकलने की घटना ने स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई को लेकर सवाल खड़े जरूर कर दिए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्वास्थ्य केंद्र परिसर में झाड़-झक्कड़ और जलभराव के कारण अक्सर जहरीले जीव जंतु निकलने का खतरा बना रहता है। वहीं, केंद्र प्रभारी अनिल कुमार शाक्य ने स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं और परिसर की साफ-सफाई के साथ आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कराने की बात कही है।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर रोक की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/पीलीभीत/ समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, पीलीभीत के जिलाध्यक्ष रियाज़ खांन के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि विश्वविद्यालय से जुड़े हजारों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों का भविष्य इस कार्रवाई से प्रभावित होगा। किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी कार्रवाई संविधान, कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। यदि निर्माण से संबंधित कोई विवाद है, तो उसका समाधान विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा और छात्रों के हितों को नुकसान न पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि जौहर विश्वविद्यालय रामपुर जनपद में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जो लंबे समय से छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। ऐसे में भवनों को तोड़ने की कार्रवाई जनहित और छात्रहित के खिलाफ है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय निर्माण के संबंध में विभिन्न तथ्यों को नजरअंदाज कर कार्रवाई की जा रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। इसलिए सरकार से मांग की गई है कि प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाते हुए निष्पक्ष जांच कर उचित निर्णय लिया जाए। इस दौरान अल्पसंख्यक सभा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर में विश्वविद्यालय को बचाने की मांग उठाई। इस मौके पर प्रदेश सचिव सरदार अमर सिंह,हाजी शीबू मलिक, जिला महासचिव सैय्यद रिहानुल क़ादरी,काहिद अली, गयासुद्दीन मंसूरी, नोमान अली वारसी, अब्दुल अज़ीज़ मंसूरी, शकील खां, मोहम्मद नसीम खां,गयास खां एडवोकेट, इरशाद अहमद नेता अशफ़ाक अहमद ख़ां,सरदार जोविनप्रीत सिंह,अदील अहमद मलिक, हाजी इम्तियाज अल्वी। मौलाना आरिफ़ हशमती,हाजी अकबर अहमद अंसारी, फरफूद अली विधानसभा अध्यक्ष, नाजिम खां,हसन खां, हाशिम अली, आरिश खान अजहरी,नाबिर अली मंसूरी, तस्लीम अहमद, अज़ीम खां, इमरान खान, अमन अली, नौशाद गाज़ी, वसीम, सोईल अहमद, अफ़ज़ल अंसारी।

वाहन की टक्कर से रेलवे क्रासिंग का फाटक क्षतिग्रस्त, यातायात रहा प्रभावित

कोंच(जालौन)- रेलवे फाटक पर मंगलवार सुबह फाटक बंद किए जाने के दौरान एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे रेलवे फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फाटक क्षतिग्रस्त होने के कारण रेलवे क्रॉसिंग से बड़े वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई। ट्रक और अन्य भारी वाहनों को नदीगांव रोड से सब्जी मंडी गेट होकर वैकल्पिक मार्ग से निकालना पड़ा। इस दौरान रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और जाम जैसी स्थिति बनी रही। हादसे के चलते रेलवे का ऑटोमेटिक फाटक संचालन सिस्टम भी प्रभावित हो गया। इसके बाद कर्मचारियों ने हैंडवर्क के माध्यम से फाटक का संचालन किया, ताकि ट्रेनों का आवागमन सुरक्षित ढंग से जारी रखा जा सके। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत कार्य शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद फाटक को दुरुस्त किया जा सका जिसके बाद ही यातायात सामान्य हो सका।

मांगों को लेकर हड़ताल पर रहे बिजली विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के चलते इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर विभाग के अधिकांश कार्य प्रभावित रहे। बड़ी संख्या में कर्मचारी लखनऊ स्थित शक्ति भवन में आयोजित प्रदेशव्यापी धरना-प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे, और जो कर्मचारी वहां नहीं जा सके उन्होंने अपने-अपने कार्यस्थलों पर रहकर हड़ताल का समर्थन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन वर्षों से कार्यरत हजारों अनुभवी आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों की लगातार अनदेखी कर रहा है। उनका कहना है कि बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है, कार्य के अनुरूप अनुबंध लागू नहीं किए गए हैं तथा 18 हजार रुपये मासिक वेतन निर्धारित करने की मांग भी लंबित है। इसके अलावा श्रम कानूनों के उल्लंघन, ईपीएफ से जुड़े मामलों में कार्रवाई न होने, कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत न किए जाने और पूर्व में हुए समझौतों का पालन नहीं किए जाने का भी आरोप लगाया गया। जिलाध्यक्ष शिवम सिंह चौहान ने बताया कि मांगों के समाधान के लिए पहले भी प्रबंधन से कई दौर की वार्ता हुई थी, लेकिन सहमति बनने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में संगठन ने प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान प्रदीप झा, कन्हैया, प्रदीप सिंह, दिनेश कुशवाहा, सूरज सिंह, राहुल, दीपक पांचाल, हरीसिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

आईजीआरएस में लापरवाही पर डीएम मंगला प्रसाद सिंह सख्त

22 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) की समीक्षा बैठक में शिकायतों के निस्तारण में बरती जा रही लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। समीक्षा के दौरान सामने आई गंभीर अनियमितताओं पर उन्होंने 22 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोकने के आदेश दिए तथा संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी तलब किया। बैठक में 1 जुलाई से 27 जुलाई तक प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की गई। इस दौरान पाया गया कि कई विभागों ने शिकायतकर्ताओं से अनिवार्य फीडबैक नहीं लिया। इसके अलावा पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण से संबंधित फोटो और विस्तृत आख्या भी अपलोड नहीं की गई। इन कमियों को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित 22 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश जारी किया। समीक्षा में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में एल-1 अधिकारी के हस्ताक्षर के बिना ही एल-2 अधिकारी द्वारा निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड कर दी गई। इस अनियमितता पर जिलाधिकारी ने एल-1 एवं एल-2 दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा। वहीं, बैठक से चकबंदी अधिकारी और अपर चकबंदी अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर उनका भी वेतन रोकने का आदेश दिया गया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप आईजीआरएस मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से फीडबैक लेने, निस्तारण से संबंधित फोटो पोर्टल पर अपलोड करने तथा केवल एल-1 अधिकारी के हस्ताक्षरयुक्त निस्तारण आख्या ही अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आलोक कुमार, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी गुलशन जी, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभय कुमार राय सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में वृद्धा घायल

कोंच(जालौन)- सड़क हादसे में 55 वर्षीय बाइक सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि सड़क पर अचानक एक कुत्ता आ जाने से उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और उसे गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, शंभुदयाल वर्मा (55) पुत्र रामकिशुन वर्मा निवासी ग्राम छानी मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे अपने भाई की त्रयोदशी कार्यक्रम के लिए कोंच मंडी से सब्जी खरीदने जा रहा था। वह ग्राम पचीपुरा के आगे मंलगा पुल के समीप पहुंचे तभी अचानक एक कुत्ता सड़क पर उसकी बाइक के सामने आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़े।

संक्षिप्त खबरें

पीस कार्टेज स्कूल सुरियावा में राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

भदोही के सुरियावां स्थित पीस कॉटेज स्कूल में मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को एक राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी लेखन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक डॉ. अजय कुमार पांडेय ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों में सृजनात्मक सोच, आत्मविश्वास और भाषा कौशल का विकास करती हैं। कार्यक्रम में प्रबंधक माया पाण्डेय,प्रधानाचार्य नीरज दुबे, वी.एस. दुबे, स्वागता साहा और नितेश उपाध्याय सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का समापन प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन और सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देने के साथ हुआ।

वाराणसी से चुनार तक पुनः सिटी बस का हो संचालन- विजय कुमार वर्मा

चुनार, मीरजापुर। जिला सहकारी संघ लिमिटेड मीरजापुर ,सोनभद्र के चेयरमैन, नगर पालिका परिषद चुनार के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर वाराणसी से चुनार, कैलहट,एवं पड़री (अदलपुरा) तक पुनः सिटी बस सेवा संचालित करने की मांग की है। श्री वर्मा ने पत्र में लिखा कि कुछ माह पूर्व तक वाराणसी से चुनार, कैलहट एवं पड़री बाया अदलपुरा मार्ग पर सिटी बस सेवा संचालित थी जिससे इस क्षेत्र के हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों, नौकरी पैसा लोगों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को आवागमन में अत्यंत सुविधा प्राप्त होती थी किंतु विगत कई महीनो से उक्त सिटी बस सेवा बंद होने के कारण क्षेत्र की आम जनता को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है विशेष कर दैनिक यात्रियों को निजी वाहनों एवं महंगे साधनों पर निर्भर होना पड़ रहा है ,जिससे समय एवं धन दोनों की अतिरिक्त हानि हो रही है अतः उक्त सेवा को पुनः संचालित करना जनहित में जरूरी है।

लोजपा (रामविलास) ने कमल तिवारी व धनंजय दुबे को बनाया प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता

भदोही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश ने भदोही के दो नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कमल तिवारी और धनंजय दुबे को प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता नियुक्त किया गया। दोनों नेताओं के मनोनयन से जिले के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। यह निर्णय 24 जुलाई को वाराणसी के सर्किट हाउस में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी की संस्तुति तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं सांसद अरुण भारती और राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार (मुन्ना) के अनुमोदन के बाद लिया गया। कमल तिवारी पहले से ही पार्टी में प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। नवनियुक्त प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता कमल तिवारी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, उत्तर प्रदेश प्रभारी अरुण भारती, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार (मुन्ना) तथा प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता और मीडिया तक पहुंचाने के साथ संगठन को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य करेंगे। पार्टी ने इसके अलावा जितेंद्र तिवारी, अमरेश पाठक, विकास पांडेय, अभिनव श्रीवास्तव, हरिकेश पासवान, जितेंद्र पासी और अग्नि पासवान को भी प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्तियों पर भदोही सहित प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

ए.के. शर्मा ने खराब सड़कें दुरुस्त करने और कांवड़ यात्रा की बेहतर व्यवस्था के दिए निर्देश

जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक में जलभराव, स्वच्छता, बिजली सुरक्षा और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर विकास कार्यों, बरसात की तैयारियों तथा श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

बैठक में मंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि वर्षा से क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। वहीं जल निगम को पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने के निर्देश दिए। नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को जलभराव रोकने के लिए नालों-नालियों की नियमित सफाई और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने साफ-सफाई, नियमित फॉगिंग, एंटी-लार्वा छिड़काव और अन्य आवश्यक उपायों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जनस्वास्थ्य से किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान मंत्री ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

श्रावण मास में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कांवड़ मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, पेयजल, प्रकाश और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग को कांवड़ मार्गों पर विद्युत तारों और पोलों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्य तत्काल पूरा करने को कहा। साथ ही किसानों को निर्धारित रोस्टर के

अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं और विकास संबंधी मुद्दे उठाए, जिन पर प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक दीनानाथ भास्कर, विधायक विपुल दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल समेत जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2026-27 की तैयारियां शुरू

जिलाधिकारी ने दिये अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2026-27 की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती की जानी है। इसके लिए सभी विभागों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्वाचन कार्यों के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी, उड़न दस्ता टीम , स्थायी निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन टीम, वीडियो निगरानी टीम, ईवीएम मास्टर ट्रेनर, जोनल एवं सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में सभी विभागों में कार्यरत ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण मांगा गया है, जिनका ग्रेड पे रूपया 4200 (मैट्रिक्स लेवल-6) अथवा उससे अधिक है। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूचना हार्ड कॉपी एवं एक्सेल शीट (सॉफ्ट कॉपी) सहित 06 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। सॉफ्ट कॉपी adeo-son@nic.in पर प्रेषित की जाए, ताकि निर्वाचन संबंधी नियुक्तियों की कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण की जा सके। उन्होंने सभी विभागों से समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

साइबर हेल्प डेस्क ने पीड़ित को 4500 रुपये वापस दिलाए

भदोही। थाना चौरी की साइबर हेल्प डेस्क ने साइबर ठगी के शिकार बरेला निवासी आकाश कुमार प्रजापति के खाते में 4,500 रुपये वापस कराए हैं। एसपी अभिनव त्यागी के निर्देशन में पीड़ित की 1930 हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत और एनसीआरपी पोर्टल के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित धनराशि को होल्ड कराया गया। न्यायालय के आदेश के बाद रकम पीड़ित के खाते में वापस कर दी गई। धनराशि मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस और साइबर हेल्प डेस्क का आभार व्यक्त किया।

कला संकाय का दीक्षा एवं रक्तदान-स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में मंगलवार को कला संकाय के नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षा कार्यक्रम एवं रक्तदान-स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ.आशुतोष सिंह, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी एवं प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) माधवी शुक्ला ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया।मुख्य वक्ता डॉ. आशुतोष सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी ने अनुभवात्मक उदाहरण के माध्यम से रक्तदान के महत्व पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया। उन्होंने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों, सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर शल्य चिकित्सा एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों के वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि समय पर उपलब्ध रक्त किसी व्यक्ति के लिए जीवनदान सिद्ध हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वैच्छिक एवं नियमित रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।कला संकाय प्रवेश प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के कला संकाय के सभी विषयों,विभागों, प्राध्यापकों,परीक्षा प्रणाली, क्रेडिट आधारित अध्ययन व्यवस्था तथा विभिन्न पाठ्यसहगामी एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों,माई भारत पोर्टल,उन्नत भारत अभियान,प्राक्टोरियल बोर्ड तथा विद्यार्थियों के लिए निर्धारित दो क्रेडिट प्रणाली के महत्व एवं उससे प्राप्त होने वाले शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी लाभों की विस्तार से जानकारी दी।

प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) माधवी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं,बल्कि व्यक्तित्व निर्माण,अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास का भी महत्वपूर्ण स्थल है।उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन,अनुशासन, समय प्रबंधन तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने रक्तदान जैसे मानवीय कार्यों को जीवन का महत्वपूर्ण संकल्प बताते हुए विद्यार्थियों से समाज के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन समारोहक डॉ. दीप नारायण ने एवं दीक्षा कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर कुसुम लता ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण, स्वयंसेवक, कला संकाय के बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।कार्यक्रम से प्रेरित होकर लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करें-डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति एवं पोषण मिशन की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने पोषाहार वितरण, कुपोषण मुक्ति अभियान और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को लक्ष्यबद्ध ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।

डीएम ने वर्तमान में 75 प्रतिशत पोषाहार वितरण पर संतोष जताते हुए इसे शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विभागीय नवाचार के तहत 35 गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों को गोद लेकर उन्हें सुपोषित बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि दो दिन के भीतर प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर भवन, पेयजल, शौचालय, बिजली, पंखा, पहुंच मार्ग सहित मूलभूत सुविधाओं की रिपोर्ट तैयार कर

आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं। बैठक में 0 से 5 वर्ष के बच्चों के वजन व लंबाई मापन, स्वास्थ्य परीक्षण और पुष्टाहार वितरण की भी समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि जल्द ही ओटीपी आधारित होम डिलीवरी प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी होगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष चक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश त्रिपाठी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कैंप में 20 बच्चों का निर्गत हुआ दिव्यांगता प्रमाण पत्र

ज्ञानपुर, भदोही। समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षान्तर्गत मंगलवार को ब्लाक संसाधन केंद्र ज्ञानपुर में मेडिकल ऐसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कुल 25 दिव्यांग बच्चों का आन लाइन रजिस्ट्रेशन कराया गया। जिसमें बोर्ड में मौजूद मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित चिकित्सकों ने 20 दिव्यांग बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया। कैंप में आर्थोपेडिक सर्जन डा. हरिओम ने अस्थि के 03, आई सर्जन डा. सुरेंद्र कुमार ने दृष्टि के 01, मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. अभिनव पांडेय एवं नैदानिक मनोवैज्ञानिक डा. अशोक परासर ने आईडी के 14 बच्चों का तथा ईएनटी सर्जन डा. दीप्ति पांडेय ने ए बच्चे को श्रवण जांच के लिए बीएचयू के लिए रेफर कर दिया। कैंप में सीएमओ कार्यालय से प्रिया श्रीवास्तव, खण्ड शिक्षा अधिकारी रमाकांत सिंह सिंगरौल, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा, फिजियोथेरेपिस्ट डा. जेपी सिंह, स्पेशल एजुकेटर सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, संदीप कुमार वर्मा, मीरा प्रजापति, राणा गोविंद, विजय मौर्या, श्याम बहादुर यादव आदि ने सहयोग प्रदान किया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को भदोही पुलिस ने जनपद के विभिन्न बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। एसपी अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं एएसपी शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के दौरान महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकार, साइबर अपराधों से बचाव तथा आपात स्थिति में सहायता के लिए 1090, 112, 181, 1098 और 1076 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस ने महिलाओं को यूपीकॉप ऐप के उपयोग, फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी प्रोफाइल से होने वाली ठगी से बचाव के उपाय भी बताए। साथ ही पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम और घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण संबंधी कानूनों की भी जानकारी देकर किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के आवेदन की समय-सारिणी जारी

भदोही। वित्तीय वर्ष 2026-27 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति (उच्च शिक्षा) योजना के लिए आवेदन की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त है, जबकि विश्वविद्यालयों द्वारा शुल्क सत्यापन 30 अगस्त तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवीनीकरण (Renewal) के छात्र-छात्राएं 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तथा नवीन (Fresh) छात्र-छात्राएं 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन के बाद नवीन छात्र-छात्राओं को 4 नवंबर तक आवेदन की हार्ड कॉपी संबंधित शिक्षण संस्थान में जमा करनी होगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने पात्र छात्र-छात्राओं से समय सीमा के भीतर आवेदन करने और आवश्यक अभिलेख समय पर जमा करने की अपील की है।

जरहाँ गांव में भूमि विवादः 4.5 बीघा की रजिस्ट्री, 12 बीघा पर कब्जे के प्रयास का आरोप

जरहाँ में भूमि विवाद बाहुबल और प्रभाव के दम पर अतिरिक्त जमीन जोतने का प्रयास, थाने पहुंचा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र- ग्राम जरहाँ में भूमि विवाद ने तूल पकड़ लिया है। शिकायतकर्ता पक्ष ने स्थानीय थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि दूसरे पक्ष ने केवल 0.3905 हेक्टेयर (लगभग 4.5 बीघा) भूमि की रजिस्ट्री कराई है, लेकिन अब करीब 12 बीघा भूमि पर जोताई कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। तहरीर के अनुसार, शिकायतकर्ता साधारण पुत्र स्व. शीतल, रविचन पुत्र स्व. शीतल एवं बलिकरण पुत्र स्व. शीतल वर्षों से उक्त भूमि पर खेती करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि हीरामणि पत्नी गणपत, गणपत पुत्र माखन, राधेश्याम पुत्र गणपत, श्यामसागर पुत्र गणपत, मुकेश पुत्र गणपत, राजेश पुत्र गणपत एवं देवेंद्र पुत्र गणपत ने हाल ही में लगभग 4.5 बीघा भूमि खरीदी है, लेकिन उससे कहीं अधिक 12 बीघा भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपलब्ध विक्रय पत्र के अनुसार ?10 लाख में 0.3905 हेक्टेयर (लगभग 4.5 बीघा) भूमि की रजिस्ट्री हुई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि खरीदी गई भूमि से लगभग 7.5 बीघा अधिक भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ लोग बाहुबल और ग्राम प्रधान पद के प्रभाव का इस्तेमाल कर विवादित भूमि पर जोताई कराने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष ने स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच, सीमांकन कराने तथा अवैध कब्जे के प्रयास को रोकने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले की सत्यता जांच और राजस्व अभिलेखों के परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होगी।

किसानों को खाद की सुलभ उपलब्धता के लिए डीएम ने किया खाद आवंटन

1377 मीट्रिक टन यूरिया, 1168 मीट्रिक टन डीएपी का हुआ आवंटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- खरीफ फसल की बुवाई के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के बाद जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद की 74 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1377 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। इसी तरह 71 सहकारी समितियों व इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन किया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद की 74 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों पर 1377 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। इसी तरह 71 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन स्वीकृत किया गया है। आवंटित उर्वरकों की आपूर्ति पीसीएफ के माध्यम से संबंधित बिक्री केंद्रों तक कराई जा रही है ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति या इफको बिक्री केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें और केवल निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। किसानों से यह भी कहा गया है कि यदि कहीं कालाबाजारी, ओवररेटिंग या कृत्रिम अभाव जैसी शिकायत मिले तो इसकी सूचना तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम अथवा जिला कृषि अधिकारी कार्यालय को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि किसानों को खरीफ सीजन में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए निरंतर निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि खाद संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर किसान 9198788248, 9452165778 नंबरों पर समाधान के लिए तत्काल शिकायत कर सकते हैं।

अधिशासी अभियंता ने मौके पर पहुंचकर बंद नहर को खुलवाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। जरगो बांध से लिंक मानिकपुर माइनर की बरेवां और भरेहठा सीमा पर गांव की वर्षा जल निकास हेतु बने साइफन पर एक व्यवसायी एवं स्थानीय कास्तकार द्वारा बार-बार नहर बांधने से उत्पन्न जल प्लावन और आबादी डूबने का पिछले दो सप्ताह से चल रहे विवाद का आज चौथी बार नहर बांधने की सूचना पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड चुनार श्री हरिशंकर प्रसाद ने मौके का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बरेवां व भरेहठा की पुरे टेल नहर की जलापूर्ति और निकास की व्यवस्था को देखा। दोनों गांव के किसानों से बातचीत करके नहर बांधना के कृत्य को गैरकानूनी बताया। मौके पर ही अपने अधीनस्थों को तत्काल बांधे गए नहर को खोलने का आदेश दिया। इसके साथ ही उपस्थित किसानों को भविष्य में ऐसे कार्य करने पर उनके विरुद्ध विधि संगत कार्रवाई की चेतावनी दिया और टेल नहर पर लिंक ग्राम सभा की जल निकास व सिंचाई हेतु क्षतिग्रस्त और पटी हुई नालियों को पुनः बनाने का सलाह दिया। इस अवसर पर और अभियंता आलोक कुमार सहायक अभियंता संदीप यादव विभाग के जिलेदार वीरेंद्र शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। बताते चले

की खेती का कार्य प्रारंभ होने की पूर्व ही कई वर्षो से उठी फूटी व मिट्टी घास फूस से से पटी नहर की साफ सफाई हेतु बरेवां गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शुक्ला के द्वारा सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों व अभियंताओं की संज्ञान में डालकर कार्यवाही की मांग की गई थी इसका संज्ञान लेकर के सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने मानिकपुर माइनर और सझौली टेल नहर की साफ सफाई कराई थी किंतु नहर खुलते ही कुछ मनबढ़ काश्तकारों के द्वारा नहर ही बांधना शुरू कर दिया। इसके चलते बरेवां गांव की आबादी एवं खेतों में जल प्लावन की स्थिति उत्पन्न हो गई। शिकायत करने पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने इसके पूर्व तीन बार बांधे गए नहर को खुलवाया था और ऐसे कार्य करने वाले किसानों को चेतावनी भी दी थी। आज चौथी बार बांधने की शिकायत पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अपनी पूरी दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर नहर को खुलवाते हुए समाधान कराया।

चोरी का प्रयास करने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में लेकर किया करवाई

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बेलन बरौधा चौकी क्षेत्र के धसड़ा राजा गाव निवासी कमला शंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर किया था सिकायत की हमारे खपरैल के मकान में 07/07/2026 को खपरैल हटाकर चोरी करने का प्रयास किया था जिसकी शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने चोरी का प्रयास करने वाले युवक नीरज त्रिपाठी पुत्र शिवकुमार त्रिपाठी को हिरासत में लेकर धारा 170/126 / 135 बी0 एन0 एस0 की कार्रवाई दिनांक 26/7/2026 को किया गया। चौकी प्रभारी क्षेत्र में प्रस्थान कर देखभाल कर रहे थे तभी ग्राम दादरी में मामूर था की सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धसड़ा राजा में एक व्यक्ति आने-जाने गांव राहगिरो के साथ अनायास कहा सुनी कर रहा है जिस पर चौकी प्रभारी मह पहुंच कर देखा तो एक व्यक्ति अनायास आने-जाने वाले लोगों से अनायास कहा सुनी कर रहा है जिस पर मौके पर ही समझाने बुझाने का प्रयास किया गया तो नहीं मानने पर चौकी प्रभारी द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अंतर्गत धारा 170 बीएन एस एस में अभियुक्त नीरज तिवारी पुत्र शिवकुमार तिवारी उम्र 22 वर्ष निवासी धसड़ा राजा थाना लालगंज जनपद मिर्जापुर को समय करीब 14.10 बजे हिरासत मे पुलिस ने ले लिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जनपद में औद्योगिक निवेश को नई गति देने तथा निवेशकों के समक्ष आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं, निवेश संबंधी प्रकरणों, भूमि उपलब्धता, बैंकिंग सहयोग तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एकीकृत विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक क्लस्टर (औद्योगिक हब) स्थापित करने के लिए एक्सप्रेसवे के समीप दुद्धी तहसील के बभनी ब्लॉक में 1000 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन कर शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इससे जनपद में बड़े औद्योगिक निवेश आकर्षित होंगे तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। यहाँ पर एक हजार हेक्टेयर में इन्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग व लाजिस्टीक क्लस्टर (आई0 एम0 एल0सी0) का निर्माण होगा। औद्योगिक हब के रूप में सोनभद्र को विकसीत करने की दिशा में बड़ा कदम है। आदिवासिय बाहुल्य अति पिछड़े जिले सोनभद्र को प्रदेश का नया औद्योगिक हब बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज को निर्देशित किया कि सरदार पटेल औद्योगिक क्षेत्र के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर एमएसएमई विभाग को भूमि हस्तांतरण की समस्त प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए, जिससे औद्योगिक विकास की योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। बैठक के दौरान उद्यमी मित्र के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने ग्रीनको ग्रुप से संबंधित भूमि सीलिंग प्रकरण की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जेएसडब्ल्यू परियोजना की संयुक्त जांच आख्या एक सप्ताह के भीतर तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं वन विभाग को निर्देशित किया।

बैठक में बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बैंकों में ऋण संबंधी आवश्यक चेकलिस्ट नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित न होने की समस्या को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि दो दिवस के भीतर जनपद के सभी बैंकों में ऋण संबंधी चेकलिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए, ताकि आमजन एवं

उद्यमियों को आवश्यक जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी बैंकों को निर्देशित किये कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन बिना अनावश्यक विलंब के समयबद्ध रूप से निस्तारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशुतोष कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा दिलीप तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर आशीष कुमार त्रिपाठी, सहायक आयुक्त उद्योग विजय कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

अधिकारों और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हों महिलाएं : प्रो. गीता यादवेंदु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से बुन्देलखण्ड महिला विकास सेवा समिति के तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण और जागरूकता समारोह का आयोजन स्टेशन रोड स्थित होटल ललित पैलेस में किया गया, जिसमें महिलाओं एवं युवतियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें सरकारी योजनाओं एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही जागरूक करने का रहा। मुख्य अतिथि के रूप में शिकोहाबाद के बीडीएम म्युनिसिपल गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्य प्रो.गीता यादवेन्दु रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सेन ने की, जबकि सफल संचालन सचिव गीता सेन ने किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो.गीता यादवेंदु ने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता तथा कानूनी अधिकारों की जानकारी से महिलाएं अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनती हैं। उन्होंने महिलाओं को घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, महिला हेल्पलाइन, बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, स्वच्छता और स्वरोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न व अपराध की स्थिति में महिलाएं बिना भय के पुलिस एवं संबंधित विभागों से संपर्क करें तथा शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन एवं योजनाओं का लाभ उठाएं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेविका चन्द्रप्रभा बौद्ध जालौन, इंजी.नेहा कौशल जे.ई. झांसी, इंजी.निधि पाण्डेय जे.ई. झांसी, इंजी.दीक्षा दुबे जे.ई.झांसी, समाज सेविका उपासना पाठक टीकमगढ़, समाजसेविका लता सिंह ललितपुर, समाजसेविका कंचनमाला आगरा, राधा सेन सहित देश-प्रदेश की अनेक प्रख्यात समाजसेविकाएं एवं विशेषज्ञ शामिल रहीं। विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा विभिन्न सामाजिक एवं पारिवारिक विषयों पर खुलकर चर्चा की। प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, स्वास्थ्य जांच, पोषण एवं स्वावलंबन से जुड़े सुझाव दिए गए। समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सेन ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को महिलाओं के सम्मान, समान अवसर और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। संचालन कर रहीं समिति सचिव गीता सेन ने सभी महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भागीदार बनने का आह्वान किया गया। इस दौरान उर्मिला वर्मा, अंजू विश्वकर्मा, रामप्यारी विश्वकर्मा, लतारानी, क्रान्ति, हर्षिता, कोमल, किरन, काजल, राजकुमारी, भावना, उपासना, राजकुमारी, कल्पना, सूरज, ममता, मोहिनी, लीला, रामदेवी, प्रीति जैन, मीरा नामदेव, नवल कुशवाहा, तारा अहिरवार, मिथिलेश राजपूत, सरोज साहू, कुसुम रजक, विनीता निरंकारी, रमा जीवास, शीला कुशवाहा, जीजादेवी परिहार, नर्बदा पाल, रश्मी रैकवार, आरती तिवारी, कल्पना कुशवाहा, विनीता अहिरवार, मोहिनी प्रजापति, सरोज सैन, गुडडी नापित, नीतू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

नगराम थाने पर 2.80 लाख से अधिक बिजली बिल बकाया

स्वीकृत भार से 10.66 किलोवाट अधिक बिजली उपयोग का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एक ओर मामूली बकाया होने पर आम उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन तत्काल काटे जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों पर लाखों रुपये का बकाया होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई न होने से क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। बिजली विभाग के अभिलेखों के अनुसार नगराम थाने के नाम 18 किलोवाट विद्युत भार स्वीकृत है, जबकि वर्तमान में वहां लगभग 28.66 किलोवाट बिजली का उपयोग किया जा रहा है। यानी स्वीकृत क्षमता से करीब 10.66 किलोवाट अधिक लोड पर विद्युत उपभोग हो रहा है। इसके साथ ही नगराम थाने पर 2.80 लाख से अधिक का बिजली बिल लंबे समय से बकाया बताया जा रहा है। इतना ही नहीं, हरदोईया पुलिस चौकी पर भी 33 हजार से अधिक का बिजली बिल जमा नहीं हुआ है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इन बकायों की वसूली के लिए कई बार बिजली कनेक्शन विच्छेदन की तिथि निर्धारित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से कार्रवाई टाल दी गई। दूसरी ओर, हाल ही में बिजली विभाग के चेकिंग अभियान के दौरान एक संविदाकर्मी के नाम दर्ज कनेक्शन पर बकाया मिलने के बाद दिन में बिजली आपूर्ति काट दी गई थी। हालांकि, रात की शिफ्ट में कर्मचारियों द्वारा दोबारा कनेक्शन जोड़ दिए जाने की चर्चा भी रही। इस घटना के बाद विभाग की कार्यशैली को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि आम उपभोक्ताओं के मामूली बकाया पर बिना किसी राहत के कनेक्शन काटे जा सकते हैं, तो सरकारी विभागों पर वर्षों से लंबित लाखों रुपये के बकाए की वसूली के लिए समान नियम क्यों लागू नहीं किए जा रहे हैं। लोगों का मानना है कि कानून और विभागीय नियम सभी के लिए समान होने चाहिए। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकारी विभागों से बकाया वसूली की प्रक्रिया अलग होती है और उच्च स्तर पर पत्राचार के माध्यम से भुगतान कराने का प्रयास किया जाता है। हालांकि, लगातार बढ़ते बकाए और निर्धारित तिथियों के बाद भी कार्रवाई न होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बिजली विभाग नगराम थाने और हरदोईया पुलिस चौकी पर लंबित बकाया की वसूली तथा स्वीकृत भार से अधिक विद्युत उपयोग के मामले में क्या कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी केवल फाइलों तक सीमित रह जाएगा।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

......कनकहा कट के पास हुआ हादसा, सीएचसी में डॉटरों ने किया मृत घोषित; सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस।

कनकहा कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय रंगम पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी माधवखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में हुई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार दोपहर रायबरेली हाईवे पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कनकहा कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय रंगम पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी माधवखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक अपनी बाइक से जा रहा था, तभी कनकहा गांव के पास हाईवे के कट पर तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायल को सीएचसी भेजा, लेकिन चिकित्सकों ने उसे बचाया नहीं जा सका। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दुर्घटना को अंजाम देने वाली अज्ञात कार की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

हजारों कोटेदारों का विशाल प्रदर्शन, विधानसभा घेराव रोक पुलिस ने भीड़ को इको गार्डन भेजा

अगर सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती तो पूरे उर प्रदेश में राशन वितरण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखेगा : गिरीश तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रदर्शन ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के बैनर तले हुआ। कोटेदार नारे लगा रहे थे–'एकता जिंदाबाद' और 'जो हमसे टकराएगा, वह मिट जाएगा'। चारबाग स्टेशन का इलाका अस्थायी छावनी जैसा नजर आ रहा था। पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित था और पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कड़ी निगरानी रखी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भर से आए हजारों कोटेदारों (राशन डीलरों) ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया। चारबाग रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भारी भीड़ जुट गई। प्रदर्शनकारियों का मकसद विधानसभा का घेराव करना था, लेकिन पुलिस ने कड़े इंतजाम कर भीड़ को विधानसभा की ओर बढ़ने से रोक दिया और उन्हें इको गार्डन की तरफ मोड़ दिया। प्रदर्शन ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के बैनर तले हुआ। कोटेदार नारे लगा रहे थे–'एकता जिंदाबाद' और 'जो हमसे टकराएगा, वह मिट जाएगा'। चारबाग स्टेशन का इलाका अस्थायी छावनी जैसा नजर आ रहा था। पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित था और पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कड़ी निगरानी रखी। मांगें क्या हैं? ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने अपनी पांच प्रमुख मांगें रखीं: अन्य राज्यों की तरह प्रति क्विंटल ?200 कमीशन दिया जाए। गुजरात की तरह न्यूनतम ?2000 की गारंटी दी जाए। डोर-स्टेप डिलीवरी में बाहरी हस्तक्षेप को रोका जाए। विभाग द्वारा कोटेदारों का शोषण बंद किया जाए। राज्य में चल रही स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दुकानों को सिंगल अकाउंट में बदला जाए। गिरीश तिवारी ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती तो पूरे उत्तर प्रदेश में राशन वितरण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखेगा। प्रदर्शन से पहले भी कई जिलों में कोटेदारों ने बैठकें कर 28 जुलाई को लखनऊ आने का ऐलान किया था। उनकी मांगों में कमीशन बढ़ाने के साथ-साथ बकाया लाभांश का भुगतान और 500 यूनिट से कम कार्डों के विलय से हुए नुकसान की भरपाई भी शामिल है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। चारबाग से लेकर विधानसभा क्षेत्र तक सड़कों पर बैरिकेड लगाए गए। फिलहाल प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कोटेदारों का कहना है कि मांगें नहीं मानी गई तो अगस्त में खाद्यान्न उठान और वितरण प्रभावित हो सकता है।

गैस एजेंसी संचालक पर कालाबाजारी का आरोप

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने मंगलवार को क्षेत्र के एक गैस एजेंसी संचालक पर ग्रामीण उपभोक्ताओं को परेशान करने, गैस की कथित कालाबाजारी करने और उपभोक्ताओं से बदसलूकी करने का आरोप लगाया। संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम पूरनपुर मयंक गोस्वामी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और गैस वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की। उपजिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया कि ग्रामीण उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए बार–बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनका समय और धन दोनों व्यर्थ हो रहे हैं। संगठन का आरोप है कि एजेंसी पर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

आबादी के बीच शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। आबादी के बीचो-बीच शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पहुंची पुलिस का घेराव कर महिलाओं ने आबादी में शराब की दुकान खुलने से परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का हवाला देते हुए शराब की दुकान का स्थानांतरण करने की मांग की। तहसील कलीनगर क्षेत्र के ग्राम नवदिया सुखदासपुर में आबादी के बीच संचालित देशी शराब एवं बीयर की दुकान को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीण महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने शराब की दुकान का घेराव कर जमकर नारेबाजी की और दुकान को तत्काल आबादी से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ समय तक शराब की बिक्री भी पूरी तरह प्रभावित रही। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना था कि रिहायशी इलाके में शराब की दुकान होने से गांव का माहौल लगातार खराब हो रहा है। शराब पीने वालों की आवाजाही से महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उनका आरोप था कि नशे की वजह से गांव में आए दिन झगड़े, मारपीट और घरेलू कलह जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे परिवारों का जीवन प्रभावित हो रहा है।सूचना मिलने पर माधोटांडा पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं अपनी मांग पर अड़ी रहीं। बाद में आबकारी विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की।जिला आबकारी अधिकारी विजय पाल सिंह ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि 15 दिनों के भीतर स्थल का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिलाओं ने फिलहाल अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि तय समय में शराब की दुकान नहीं हटाई गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सरकारी नल से पानी भरने को लेकर विवाद, लाठी-डंडों से हमला, एक गंभीर घायल

.......शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी गांव के मजरा केसरी खेड़ा में सरकारी नल से पानी भरने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि तीन लोगों ने एक व्यक्ति पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, केसरी खेड़ा निवासी रामलखन पुत्र स्वर्गीय चिरंजीव सरकारी नल से पानी भर रहे थे। इसी दौरान बराती लोधी, अवधेश लोधी पुत्र सुंदर लोधी तथा अंकित लोधी पुत्र गोकुल लोधी निवासी चकौली, थाना सरोजनीनगर वहां पहुंचे। पीड़ित का आरोप है कि तीनों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में रामलखन के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लेखपाल ने कबीरगंज के सचिवालय में की जनसुनवाई

ग्रामीणों की शिकायतों का किया त्वरित निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शिविर में बड़ी संया में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खसरा-नशा अवलोकन, प्रधानमंत्री किसान समान निधि योजना तथा वरासत (नामांतरण) से संबंधित प्रार्थना पत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

पूरनपुर (पीलीभीत)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में मंगलवार को ग्राम पंचायत कबीरगंज के सचिवालय में पूर्व निर्धारित रोस्टर के अनुसार लेखपाल आशीष निषाद द्वारा जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खसरा-नक्शा अवलोकन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा वरासत (नामांतरण) से संबंधित प्रार्थना पत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। लेखपाल ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी और भरोसा दिलाया कि पात्र लोगों के कार्य नियमानुसार समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।

बोन एण्ड जॉइंट वीक ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब ने विद्यार्थियों और बुजुर्गों को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बोन एंड जॉइंट वीक (हड्डी एवं जोड़ सप्ताह) के अंतर्गत ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब द्वारा मंगलवार को दो स्थानों पर जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक ओर एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल, सिटी ब्रांच में विद्यार्थियों के लिए बोन एंड जॉइंट अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया, वहीं दूसरी ओर पं.दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निशुल्क हड्डी एवं जोड़ स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाया गया। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करना रहा। ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब सचिव एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डा.आकाश आर. खैरा के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने दोनों स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण किया। क्लब उपाध्यक्ष डा.एम.सी. गुप्ता, फिजियोथेरेपिस्ट डा.तेजस्व श्रीवास्तव, डा.पंकज जैन एवं डा.प्रतिभा प्रकाश सहित टीम के सदस्य अनिमेष तिवारी, आलिया, ऋचा, आकाश सेन एवं ओमकारन सिंह गौर कार्यक्रमों में मौजूद रहे। एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शिविर के दौरान विद्यार्थियों का हड्डियों एवं जोड़ों से संबंधित विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिन विद्यार्थियों में किसी प्रकार की समस्या पाई गई, उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही सही शारीरिक मुद्रा (पोश्चर), नियमित व्यायाम, संतुलित जीवनशैली एवं दैनिक देखभाल के संबंध में जानकारी दी गई। अभिभावकों को भी बच्चों के हडडी एवं जोड़ स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय चेयरमैन प्रदीप चौधरी, डायरेक्टर प्रवीण चौधरी एवं वाइस प्रिंसिपल अंकिता चतुर्वेदी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं स्टाफ ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक विकास तथा समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं पं.दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें हड्डियों एवं जोड़ों को स्वस्थ रखने के उपाय बताए गए। बुजुर्गों को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, सही दिनचर्या तथा समय-समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की सलाह दी गई। इस अवसर पर डा.आकाश आर. खैरा ने कहा कि हमारे बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज का अनुभव हैं। उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। बोन एंड जॉइंट वीक के माध्यम से हमारा उद्देश्य लोगों को हडिडयों एवं जोड़ों की बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उपचार के लिए प्रेरित करना है।

30 जुलाई से नि:शुल्क रुद्राभिषेक एवं विश्व कल्याण धर्मार्थ अनुष्ठान का शुभारंभ।

नैनी, प्रयागराज। सावन मास के पावन अवसर पर विश्व कल्याण एवं जनहित की भावना से 30 जुलाई 2026 से निःशुल्क रुद्राभिषेक एवं विश्व कल्याण धर्मार्थ अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सेल्फी प्वाइंट, अरैल, नैनी, प्रयागराज में आयोजित होगा। विश्व कल्याण एवं धर्मार्थ समिति के सचिव अभिनव तिवारी तथा कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्व शांति, मानव कल्याण एवं लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करना है। सावन माह में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है, इसलिए सभी श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क रुद्राभिषेक की व्यवस्था की गई है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की।

अधिकारों और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हों महिलाएं : प्रो. गीता यादवेंदु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से बुन्देलखण्ड महिला विकास सेवा समिति के तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण और जागरूकता समारोह का आयोजन स्टेशन रोड स्थित होटल ललित पैलेस में किया गया, जिसमें महिलाओं एवं युवतियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें सरकारी योजनाओं एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही जागरूक करना रहा। मुख्य अतिथि के रूप में शिकोहाबाद के बीडीएम म्युनिसिपल गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्य प्रो.गीता यादवेन्दु रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सेन ने की, जबकि सफल संचालन सचिव गीता सेन ने किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो.गीता यादवेंदु ने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास

की आधारशिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता तथा कानूनी अधिकारों की जानकारी से महिलाएं अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनती हैं। उन्होंने महिलाओं को घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, महिला हेल्पलाइन, बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, स्वच्छता और स्वरोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। विशेषज्ञों ने कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न व अपराध की स्थिति में महिलाएं बिना भय के पुलिस एवं संबंधित विभागों से संपर्क करें तथा शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन एवं योजनाओं का लाभ उठाएं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेविका चन्द्रप्रभा बौद्ध जालौन, इंजी.नेहा कौशल जे.ई. झांसी, इंजी.निधि पाण्डेय जे.ई. झांसी, इंजी.दीक्षा दुबे जे.ई.झांसी, समाज सेविका उपासना पाठक टीकमगढ़, समाजसेविका लता सिंह ललितपुर, समाजसेविका कंचनमाला आगरा, राधा सेन सहित देश-प्रदेश की अनेक प्रख्यात समाजसेविकाएं एवं विशेषज्ञ शामिल रहीं। विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा विभिन्न सामाजिक एवं पारिवारिक विषयों पर खुलकर चर्चा की। प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, स्वास्थ्य जांच, पोषण एवं स्वावलंबन से जुड़े सुझाव दिए गए। समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सेन ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को महिलाओं के सम्मान, समान अवसर और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। संचालन कर रहीं समिति सचिव गीता सेन ने सभी महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भागीदार बनने का आह्वान किया गया। इस दौरान उर्मिला वर्मा, अंजू विश्वकर्मा, रामप्यारी विश्वकर्मा, लतारानी, क्रान्ति, हर्षिता, कोमल, किरन, काजल, राजकुमारी, भावना, उपासना, राजकुमारी, कल्पना, सूरज, ममता, मोहिनी, लीला, रामदेवी, प्रीति जैन, मीरा नामदेव, नवल कुशवाहा, तारा अहिरवार, मिथिलेश राजपूत, सरोज साहू, कुसुम रजक, विनीता निरंकारी, रमा जीवास, शीला कुशवाहा, जीजादेवी परिहार, नर्बदा पाल, रश्मी रैकवार, आरती तिवारी, कल्पना कुशवाहा, विनीता अहिरवार, मोहिनी प्रजापति, सरोज सैन, गुड्डी नापित, नीतू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

नगराम थाने पर 2.80 लाख से अधिक बिजली बिल बकाया

स्वीकृत भार से 10.66 किलोवाट अधिक बिजली उपयोग का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एक ओर मामूली बकाया होने पर आम उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन तत्काल काटे जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों पर लाखों रुपये के बकाया होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई न होने से क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। बिजली विभाग के अभिलेखों के अनुसार नगराम थाने के नाम 18 किलोवाट विद्युत भार स्वीकृत है, जबकि वर्तमान में वहां लगभग 28.66 किलोवाट बिजली का उपयोग किया जा रहा है। यानी स्वीकृत क्षमता से करीब 10.66 किलोवाट अधिक विद्युत लोड पर विद्युत उपभोग हो रहा है। इसके साथ ही नगराम थाने पर 2.80 लाख से अधिक का बिजली बिल लंबे समय से बकाया बताया जा रहा है। इतना ही नहीं, हरदोईया पुलिस चौकी पर भी 33 हजार से अधिक का बिजली बिल जमा नहीं हुआ है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इन बकायों की वसूली के लिए

कई बार बिजली कनेक्शन विच्छेदन की तिथि निर्धारित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से कार्रवाई टाल दी गई। दूसरी ओर, हाल ही में बिजली विभाग के चेकिंग अभियान के दौरान एक संविदाकर्मी के नाम दर्ज कनेक्शन पर बकाया मिलने के बाद दिन में बिजली आपूर्ति काट दी गई थी। हालांकि, रात की शिफ्ट में कर्मचारियों द्वारा दोबारा कनेक्शन जोड़ दिए जाने की चर्चा भी रही। इस घटना के बाद विभाग की कार्यशैली को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि आम उपभोक्ताओं के मामूली बकाया पर बिना किसी राहत के कनेक्शन काटे जा सकते हैं, तो सरकारी विभागों पर वर्षों से लंबित लाखों रुपये के बकाए की वसूली के लिए समान नियम क्यों लागू नहीं किए जा रहे हैं। लोगों का मानना है कि कानून और विभागीय नियम सभी के लिए समान होने चाहिए। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकारी विभागों से बकाया वसूली की प्रक्रिया अलग होती है और उच्च स्तर पर पत्राचार के माध्यम से भुगतान कराने का प्रयास किया जाता है। हालांकि, लगातार बढ़ते बकाए और निर्धारित तिथियों के बाद भी कार्रवाई न होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बिजली विभाग नगराम थाने और हरदोईया पुलिस चौकी पर लंबित बकाया की वसूली तथा स्वीकृत भार से अधिक विद्युत उपयोग के मामले में क्या कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी केवल फाइलों तक सीमित रह जाएगा।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

......कनकहा कट के पास हुआ हादसा, सीएचसी में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित; सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कनकहा कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय रंगम पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी माधवखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में हुई है।

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार दोपहर रायबरेली हाईवे पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कनकहा कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय रंगम पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी माधवखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक अपनी बाइक से जा रहा था, तभी कनकहा गांव के पास हाईवे के कट पर तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायल को सीएचसी भेजा, लेकिन चिकित्सकों ने उसे बचाया नहीं जा सका। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दुर्घटना को अंजाम देने वाली अज्ञात कार की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

हजारों कोटेदारों का विशाल प्रदर्शन, विधानसभा घेराव रोक पुलिस ने भीड़ को इको गार्डन भेजा

अगर सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती तो पूरे उर प्रदेश में राशन वितरण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखेगा : गिरीश तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भर से आए हजारों कोटेदारों (राशन डीलरों) ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया। चारबाग रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भारी भीड़ जुट गई। प्रदर्शनकारियों का मकसद विधानसभा का घेराव करना था, लेकिन पुलिस ने कड़े इंतजाम कर भीड़ को विधानसभा की ओर बढ़ने से रोक दिया और उन्हें इको गार्डन की तरफ मोड़ दिया। प्रदर्शन ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के बैनर तले हुआ। कोटेदार नारे लगा रहे थे-'एकता जिंदाबाद' और 'जो हमसे टकराएगा, वह मिट जाएगा'। चारबाग स्टेशन का इलाका अस्थायी छावनी जैसा नजर आ रहा था। पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित था और पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कड़ी निगरानी रखी। मांगें क्या हैं? ऑल इंडिया फेयर प्राइस

फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने अपनी पांच प्रमुख मांगें रखीं: अन्य राज्यों की तरह प्रति क्विंटल ?200 कमीशन दिया जाए। गुजरात की तरह न्यूनतम ?2000 की गारंटी दी जाए। डोर-स्टेप डिलीवरी में बाहरी हस्तक्षेप को रोका जाए। विभाग द्वारा कोटेदारों का शोषण बंद किया जाए। राज्य में चल रही स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दुकानों को सिंगल अकाउंट में बदला जाए। गिरीश तिवारी ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती तो पूरे उत्तर प्रदेश में राशन वितरण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखेगा। प्रदर्शन से पहले भी कई जिलों में कोटेदारों ने बैठकें कर 28 जुलाई को लखनऊ आने का ऐलान किया था। उनकी मांगों में कमीशन बढ़ाने के साथ-साथ बकाया लाभांश का भुगतान और 500 यूनिट से कम कार्डों के विलय से हुए नुकसान की भरपाई भी शामिल है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। चारबाग से लेकर विधानसभा क्षेत्र तक सड़कों पर बैरिकेड लगाए गए।

प्रदर्शन ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के बैनर तले हुआ। कोटेदार नारे लगा रहे थे-'एकता जिंदाबाद' और 'जो हमसे टकराएगा, वह मिट जाएगा'। चारबाग स्टेशन का इलाका अस्थायी छावनी जैसा नजर आ रहा था। पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित था और पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कड़ी निगरानी रखी।

फिलहाल प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कोटेदारों का कहना है कि मांगें नहीं मानी गई तो अगस्त में खाद्यान्न उठान और वितरण प्रभावित हो सकता है।

गैस एजेंसी संचालक पर कालाबाजारी का आरोप

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने मंगलवार को क्षेत्र के एक गैस एजेंसी संचालक पर ग्रामीण उपभोक्ताओं को परेशान करने, गैस की कथित कालाबाजारी करने और उपभोक्ताओं से बदसलूकी करने का आरोप लगाया। संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम पूरनपुर मयंक गोस्वामी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और गैस वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की। उपजिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया कि ग्रामीण उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनका समय और धन दोनों व्यर्थ हो रहे हैं। संगठन का आरोप है कि एजेंसी पर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

आबादी के बीच शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। आबादी के बीचो-बीच शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पहुंची पुलिस का घेराव कर महिलाओं ने आबादी में शराब की दुकान खुलने से परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का हवाला देते हुए शराब की दुकान का स्थानांतरण करने की मांग की। तहसील कलीनगर क्षेत्र के ग्राम नवदिया सुखदासपुर में आबादी के बीच संचालित देशी शराब एवं बीयर की दुकान को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीण महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने शराब की दुकान का घेराव कर जमकर नारेबाजी की और दुकान को तत्काल आबादी से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ समय तक शराब की बिक्री भी पूरी तरह प्रभावित रही। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना था कि रिहायशी इलाके में शराब की दुकान होने से गांव का माहौल लगातार खराब हो रहा है। शराब पीने वालों की आवाजाही से महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उनका आरोप था कि नशे की वजह से गांव में आए दिन झगड़े, मारपीट और घरेलू कलह जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे परिवारों का जीवन प्रभावित हो रहा है।सूचना मिलने पर माधोटांडा पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं अपनी मांग पर अड़ी रहीं। बाद में आबकारी विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की।जिला आबकारी अधिकारी विजय पाल सिंह ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि 15 दिनों के भीतर स्थल का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिलाओं ने फिलहाल अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि तय समय में शराब की दुकान नहीं हटाई गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सरकारी नल से पानी भरने को लेकर विवाद, लाठी-डंडों से हमला, एक गंभीर घायल

.......शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी गांव के मजरा केसरी खेड़ा में सरकारी नल से पानी भरने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि तीन लोगों ने एक व्यक्ति पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, केसरी खेड़ा निवासी

रामलखन पुत्र स्वर्गीय चिरंजीव सरकारी नल से पानी भर रहे थे। इसी दौरान बराती लोधी, अवधेश लोधी पुत्र सुंदर लोधी तथा अंकित लोधी पुत्र गोकुल लोधी निवासी चकौली, थाना सरोजनीनगर वहां पहुंचे। पीड़ित का आरोप है कि तीनों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में रामलखन के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लेखपाल ने कबीरगंज के सचिवालय में की जनसुनवाई

ग्रामीणों की शिकायतों का किया त्वरित निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शिविर में बड़ी संया में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खसरा-नक्शा अवलोकन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा वरासत (नामांतरण) से संबंधित प्रार्थना पत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

पूरनपुर (पीलीभीत)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में मंगलवार को ग्राम पंचायत कबीरगंज के सचिवालय में पूर्व निर्धारित रोस्टर के अनुसार लेखपाल आशीष निषाद द्वारा जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खसरा-नक्शा अवलोकन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा वरासत (नामांतरण) से संबंधित प्रार्थना पत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। लेखपाल ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी और भरोसा दिलाया कि पात्र लोगों के कार्य नियमानुसार समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।

बोन एण्ड जॉइंट वीक ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब ने विद्यार्थियों और बुजुर्गों को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बोन एंड जॉइंट वीक (हड्डी एवं जोड़ सप्ताह) के अंतर्गत ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब द्वारा मंगलवार को दो स्थानों पर जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक ओर एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल, सिटी ब्रांच में विद्यार्थियों के लिए बोन एंड जॉइंट अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया, वहीं दूसरी ओर पं.दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निशुल्क हड्डी एवं जोड़ स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाया गया। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करना रहा। ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब सचिव एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.आकाश आर. खैरा के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने दोनों स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण किया। क्लब उपाध्यक्ष डॉ.एम.सी. गुप्ता, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ.तेजस्व श्रीवास्तव, डॉ.पंकज जैन एवं डॉ.प्रतिभा प्रकाश सहित

टीम के सदस्य अनिमेष तिवारी, आलिया, ऋचा, आकाश सेन एवं ओमकारन सिंह गौर कार्यक्रमों में मौजूद रहे। एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शिविर के दौरान विद्यार्थियों का हड्डियों एवं जोड़ों से संबंधित विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिन विद्यार्थियों में किसी प्रकार की समस्या पाई गई, उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही सही शारीरिक मुद्रा (पोश्चर), नियमित व्यायाम, संतुलित जीवनशैली एवं दैनिक देखभाल के संबंध में जानकारी दी गई। अभिभावकों को भी बच्चों के हड्डी एवं जोड़ स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय चेयरमैन प्रदीप चौधरी, डायरेक्टर प्रवीण चौधरी एवं वाइस प्रिंसिपल अंकिता चतुर्वेदी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं स्टाफ ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक विकास तथा समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं पं.दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें हड्डियों एवं जोड़ों को स्वस्थ रखने के उपाय बताए गए। बुजुर्गों को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, सही दिनचर्या तथा समय-समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की सलाह दी गई। इस अवसर पर डॉ.आकाश आर. खैरा ने कहा कि हमारे बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज का अनुभव हैं। उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। बोन एंड जॉइंट वीक के माध्यम से हमारा उद्देश्य लोगों को हड्डियों एवं जोड़ों की बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उपचार के लिए प्रेरित करना है।

30 जुलाई से नि:शुल्क रुद्राभिषेक एवं विश्व कल्याण धर्मार्थ अनुष्ठान का शुभारंभ।

नैनी, प्रयागराज। सावन मास के पावन अवसर पर विश्व कल्याण एवं जनहित की भावना से 30 जुलाई 2026 से नि:शुल्क रुद्राभिषेक एवं विश्व कल्याण धर्मार्थ अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सेल्फी प्वाइंट, अरैल, नैनी, प्रयागराज में आयोजित होगा। विश्व कल्याण एवं धर्मार्थ समिति के सचिव अभिनव तिवारी तथा कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्व शांति, मानव कल्याण एवं लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करना है। सावन माह में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है, इसलिए सभी श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क रुद्राभिषेक की व्यवस्था की गई है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की।